केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

मित्र, पुस्तक, रास्ता, और विचार गलत हो तो गुमराह कर देते हैं, और यदि सही हों तो जीवन बना देते हैं

वर्ष : 16 अंक : 279 | उज्जैन, रविवार 22 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

लोकतंत्र में अखबार जनता के होते हैं हितैषी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जयपुर में कर्पूरचन्द्र कुलिश जन्म शताब्दी वर्ष के की नोट कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र में अखबार जनता के हितैषी की भूमिका निभाते हैं। राजस्थान पत्रिका ने भी विभिन्न संस्करणों के प्रकाशन के माध्यम से जनता के प्रति सरोकारों का निर्वहन किया है। पत्रिका समूह द्वारा स्व. कुलिश जी की स्मृति में श्रेष्ठ पत्रकारिता के साथ अन्य श्रेणियों में भी पुरस्कार दिए जाएंगे जो सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. कुलिश की भूमिका का स्मरण करते हुए कहा कि जीवन की एक अवस्था में सेवानिवृत्ति का निर्णय लेने और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के भाव महत्वपूर्ण है। स्व. कुलिश जी ने सार्थक जीवन जिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जयपुर में राजस्थान पत्रिका समूह के पितृ पुरुष स्व. कर्पूर चंद्र कुलिश के जनशताब्दी समारोह में अखबार और लोकतंत्र विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किये।

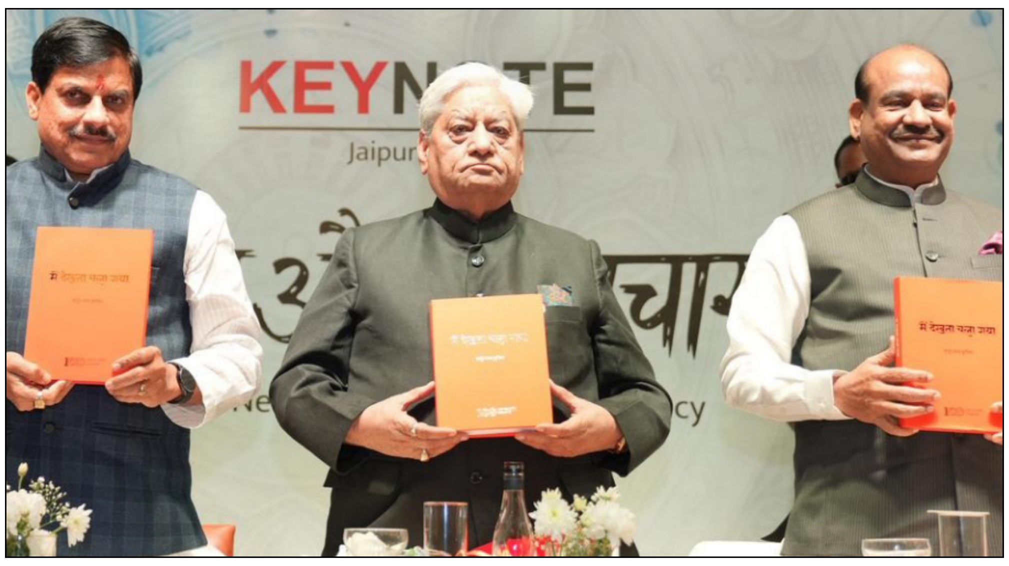

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत की मूल सनातन संस्कृति और वेद संस्कृति को बचाने की आवश्यकता थी। गुजरात के सोमनाथ के दर्शन का सभी को अवसर मिला। एक हजार वर्ष पुराना गौरव लौटा और भारत फिर आकाश से बात करते हुए दिखाई दिया। विश्व भी इसका साक्षी बना। राजस्थान पत्रिका समाचार पत्र द्वारा जयपुर में सोमनाथ के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की अनूठी पहल की गई, जो अभिनंदनीय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में फिल्म के माध्यम से प्रदर्शित पत्रिका समूह की यात्रा की गंगा की धारा से तुलना करते हुए कहा कि जब गौमुख से गंगा जी निकलती हैं तो सिर्फ गंगा नहीं होती, अलकनंदा, भागीरथी भी होती है। यह यात्रा हरिद्वार, ऋषिकेश, पटना और बनारस होते हुए गंगासागर बंगाल की खाड़ी तक पहुंचती है। ऐसी ही यात्रा पत्रिका के इस आयोजन में देखने को मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में स्व.कुलिश के चित्र पर माल्यार्पण कर आदरांजलि दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पत्रिका समूह को इस विशेष आयोजन के लिए बधाई देते हुए समूह के प्रधान संपादक श्री गुलाबचंद कोठारी के सार्थक योगदान का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर कुलिश जी की दो पुनर्प्रकाशित पुस्तकों- मैं देखता चला गया और अमेरिका एक विहंगम दृष्टि का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि भारतीय संस्कृति और मूल्यों को नष्ट करने के प्रयास होते रहे हैं, लेकिन भारत के लोकतंत्र को कोई समाप्त नहीं कर पाया है। पत्रिका ने अपनी छह दशक की यात्रा में अंतिम व्यक्ति की बात, शासन और प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया है। श्री बिरला ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कलमकारों द्वारा निभाई गई भूमिका का भी विशेष उल्लेख किया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र की ताकत होती है। बदलते दौर में सरकारों को मीडिया के साथ कार्य करना होगा। मूल्यवान पत्रकारिता भविष्य की पीढ़ियों को दिशा देने का कार्य करती है। देश में आपातकाल के दौर में लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश की गई, तब पत्रिका सहित अनेक समाचार पत्र समूह अभिव्यक्ति की आजादी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए अडिग खड़े थे।

पत्रिका समूह के प्रधान संपादक श्री गुलाब कोठारी ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग भाषाओं में संवाद होते थे। शिक्षा में जीवन दर्शन, नैतिक मूल्य और भारतीय परंपराओं को शामिल करना आवश्यक हैं। दुर्भाग्य से पश्चिमी देशों के चलन का असर भारतीय युवा पीढ़ी पर दिखाई दे रहा है। देश में बहुत सी अच्छी परंपराएं आज भी जीवित हैं। नई शिक्षा नीति में आध्यात्म और संस्कारों के निर्माण का पहलु शामिल होने से सही संदेश युवाओं तक पहुंचेगा। इससे वे यह समझ सकेंगे कि आधुनिक रहते हुए भी परंपराओं के साथ मूल्य आधारित जीवन जिया जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अजय रस्तोगी ने कहा कि श्रद्धेय कुलिश जी ने लोकतंत्र के तीनों स्तंभों को उनके कर्तव्यों का बोध करवाया। न्यायपालिका लोकतंत्र का मूल आधार है, यह संविधान के अभिभावक के रूप में कार्य करती है और नागरिकों के मूल अधिकारों की रक्षा करती है। कार्यक्रम में पत्रिका समूह के प्रमुख श्री गुलाब कोठारी, समूह के निदेशक श्री बीआर सिंह और समूह के डिप्टी एडिटर श्री भुवनेश जैन, पत्रकारिता क्षेत्र के साथ ही अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्यजन उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

1 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में आरोपित को पकड़ने जौनपुर पहुंची महाराष्ट्र पुलिस, ग्रामीणों ने बनाया बंधक

नई दिल्ली/ जीएनएस। 1 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में आरोपित को पकड़ने जौनपुर पहुंची महाराष्ट्र पुलिस, ग्रामीणों ने बनाया बंधक थाना क्षेत्र के रीठी गांव में गुरुवार की रात एक करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में वांछित आरोपित की तलाश में आई महाराष्ट्र पुलिस टीम को चोर समझकर ग्रामीणों ने पिटाई कर बंधक बना लिया। पता चलने पर पहुंची दो थानों की पुलिस ने छानबीन के बाद ग्रामीणों को समझाकर टीम को मुक्त कराया। अफरा-तफरी के बीच आरोपित वहां से भाग जाने में सफल हो गया। हालांकि पुलिस पिटाई और बंधक बनाने से इनकार कर रही है। मछली शहर कोतवाली क्षेत्र के घघरिया गांव का अवधेश उर्फ राहुल मुंबई में रहता था। प्रयागराज जिले के हंडिया थाना क्षेत्र के जरांव गांव निवासी संदीप पांडेय मुंबई में प्रापर्टी खरीदने-बेचने का धंधा करते हैं। संदीप पांडेय ने पालघर के बोईसर थाना में तहरीर देकर अवधेश सिंह उर्फ राहुल पर धोखाधड़ी कर एक करोड़ रुपये हड़पकर भाग जाने का मुकदमा दर्ज करा रखा है। आरोपित की तलाश में जुटे बोईसर थाना के उपनिरीक्षक नितिन नारडे, हेड कांस्टेबल संदीप पाटिल व एक अन्य सिपाही टीम अवधेश सिंह की तलाश में घघरिया उसके घर पहुंची। उसके न मिलने पर परिवार के किसी सदस्य को हिरासत में लेकर उसका मोबाइल फोन नंबर लेकर सर्विलांस से मिले लोकेशन पर टीम प्राइवेट कार से रीठी गांव के सुजीत सिंह के घर पहुंची। नागरिक वेश में पहुंची टीम को देखकर आरोपित अवधेश सिंह के कहने पर लोग चोर, चोर का शोर मचाने लगे। ग्रामीण ललकारते हुए दौड़े तो घबरा उठे पुलिस कर्मी भागने लगे। ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इसी दौरान अवधेश सिंह फरार हो गया। पुलिस कर्मियों के अपना परिचय देने पर ग्रामीणों को विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने तहकीकात करने के लिए थाना पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह व बक्शा थाना प्रभारी विक्रम लक्ष्मण सिंह मय फोर्स पहुंच गए। छानबीन में असलियत पता चलने पर ग्रामीण पुलिस कार्रवाई की डर से सहम गए। थाना प्रभारी ग्रामीणों को समझा-बुझाकर महाराष्ट्र पुलिस टीम को मुक्त कराकर साथ ले गए। इस संबंध एसओ उदय प्रताप ने बताया कि मुंबई पुलिस को यहां की पुलिस को जानकारी देकर जाना चाहिए था। उनके सादे ड्रेस में होने से भी कहासुनी की स्थिति उपजी।

रोहिणी आचार्य का सख्त एक्शन; सीधे बिहार पुलिस तक पहुंच गया मामला, सामने आया कारण

पटना/ जीएनएस। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद की पुत्री रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपने नाम से फर्जी अकाउंट चलाए जाने को लेकर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने इस संबंध में बिहार पुलिस के साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। रोहिणी आचार्य ने अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) हैंडल पर इस बाबत पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर उनके नाम से कई फर्जी अकाउंट सक्रिय हैं, जिनके जरिए अभद्र, तथ्यविहीन और भ्रामक कंटेंट पोस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर केवल ब्लू टिक वाले हैंडल @RohiniAcharyaw ही उनके आधिकारिक अकाउंट हैं। बाकी सभी अकाउंट फर्जी हैं और लोगों से सावधान रहने की अपील की। रोहिणी ने यह भी कहा कि फर्जी अकाउंट चलाने वालों की पहचान कर ली गई है और इस पूरे मामले में बिहार पुलिस के साइबर सेल को शिकायत सौंप दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। रोहिणी आचार्य सिंगापुर में रहती हैं लेकिन बिहार और देश की स्थीति पर हमेशा पैनी नजर बनाए रखती हैं। राजनीति पर आए दिन उनके पोस्ट आते रहते हैं। इनमें वह एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधती हैं। शनविार को ही महंगाई पर उन्होंने एक पोस्ट किया, जसिमें लिखा, एक डॉलर में 94 रूपईया , डॉलर के सामने रूपईया है हलकान , गैस की लाईन में देश खड़ा है , कान में तेल डाल सो रहा फोटोजीवी परधान।

निष्पक्ष सुनवाई के लिए खतरा..., पुलिस की ओर से वीडियो अपलोड करने पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस द्वारा मोबाइल फोन से शूट किए गए वीडियो को तुरंत इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि ऐसी गतिविधियां निष्पक्ष सुनवाई के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने शुक्रवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। जस्टिस बागची ने कहा कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के माध्यम से पुलिस को नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन मीडिया, विशेषकर इंटरनेट मीडिया और जनता के बारे में क्या? क्या उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है? तुलनात्मक रूप से, टीवी चैनल कहीं अधिक संयमित हैं, भले ही कोई उनके विचारों से असहमत हो।

जनहित याचिका में आरोप लगाया गया था कि पुलिस आरोपितों के वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करती है और लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा करती है। तर्क दिया गया कि अदालत ने एक अन्य मामले में पहले ही राज्यों को पुलिस द्वारा मीडिया ब्रीफिंग के लिए दिशा-निर्देश बनाने को कहा था, जिसमें इंटरनेट मीडिया पोस्ट को भी शामिल किया जाएगा।

पीठ ने याचिकाकर्ता हेमेंद्र पटेल को उन दिशा-निर्देशों की प्रतीक्षा करने का सुझाव दिया। पटेल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन से अदालत ने सहमति व्यक्त की कि आजकल मोबाइल फोन रखने वाला हर व्यक्ति मीडिया बन गया है।

हरियाणा में प्रॉपर्टी खरीदना होगा महंगा, एक अप्रैल से बढ़ेंगे जमीन के कलेक्टर रेट; किसानों को होगा फायदा

चंडीगढ़/ जीएनएस। हरियाणा में एक अप्रैल से जमीन के कलेक्टर रेट बढ़ाने की तैयारी है। कलेक्टर रेट के नए सिरे से निर्धारण के लिए 143 तहसीलों और उप तहसीलों में प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। सोनीपत, गुरुग्राम, झज्जर और फरीदाबाद में कलेक्टर रेट में सर्वाधिक बढ़ोतरी हो सकती है।

इससे पहले पिछले साल एक अगस्त को कलेक्टर रेट बढ़ाए गए थे, जो आगामी 31 मार्च तक लागू रहेंगे। तब औसतन पांच प्रतिशत से लेकर कुछ क्षेत्रों में 80 प्रतिशत तक कलेक्टर रेट बढ़ाया गया था। इसी तरह दिसंबर 2024 में कलेक्टर रेट में 10 से 58 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई थी। कलेक्टर रेट निर्धारण से जुड़े अधिकारियों का दावा है कि बढ़ोतरी को संतुलित रखा जाएगा ताकि आम लोगों पर ज्यादा बोझ न पड़े। इसके बावजूद विभिन्न स्थानों पर कलेक्टर रेट में अधिक वृद्धि संभव है।

जमीन की रजिस्ट्रियों से सरकार के राजस्व में लगातार इजाफा- कलेक्टर रेट बढ़ने से प्रापर्टी खरीदना महंगा हो जाएगा, क्योंकि स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन शुल्क भी उसी के आधार पर बढ़ते हैं। हालांकि कलेक्टर रेट बढ़ने से उन किसानों को सीधा फायदा होगा, जिन्हें अपनी जमीन बेचनी है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में जमीन की रजिस्ट्रियों से सरकार के राजस्व में लगातार इजाफा हुआ है। 2023-24 में स्टांप ड्यूटी से 8883 करोड़ और रजिस्ट्रेशन से 600 करोड़ रुपये का राजस्व सरकार को मिला था।

शहरों में 46% महिला भागीदारी के बावजूद फैसलों से दूर, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली/ जीएनएस। नगरीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी भले ही अब 46 प्रतिशत से अधिक हो गई है लेकिन शहरी विकास से जुड़ी योजनाओं और रूपरेखा से अभी भी उन्हें दूर ही रखा जाता है।

ऐसे में विकास के नए लक्ष्यों को गढ़ने के बाद भी देश के अधिकांश शहर महिलाओं के अनुकूल नहीं बन पा रहे है। शहरी विकास से जुड़ी नीतियों पर काम करने वाली स्वायत्त संस्था जनाग्रह ने मुंबई, बेंगलुरु, इंदौर व जयपुर सहित देश के दस नगरीय निकायों के काम-काज और निर्णयों को लेकर कराए गए अध्ययन से जुड़ी रिपोर्ट में यह खुलासा किया है।

क्या सुझाव दिया गया- साथ ही सुझाव दिया है कि शहरों को महिलाओं के अनुकूल बनाने के लिए जरूरी है कि शहरों के विकास से जुड़े प्रमुख निर्णयों में उनकी अधिक भागीदारी को सुनिश्चित किया जाए। रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई, बेंगलुरू, इंदौर जैसे शहरों में नगरीय निकायों में महिलाओं को भागीदारी तो दी गई है लेकिन विकास की योजना, स्वरूप या वित्तीय खर्च के प्रबंधन से महिलाओं को दूर रखा जाता है।

ऐसे में शहरों में महिलाओं के अनुरूप सुरक्षा, सुरक्षित परिवहन, पार्क, फुटपाथ या प्रशिक्षण जैसी पहलों को महत्व नहीं मिल जा रहा है। यह स्थिति तब है कि देश की कुल शहरी आबादी में 18 करोड़ से अधिक महिलाएं है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरों को यदि महिलाओं के अनुकूल बना दिया जाए, तो देश में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी पचास प्रतिशत तक हो सकती है, इससे देश के विकास दर में भी डेढ़ प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हो सकती है।

महिलाओं की कार्यबल में भागेदारी- देश के शहरी क्षेत्रों में अभी महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्तीय प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति पहले से काफी सुधरी है। वर्ष 1981 में शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा दर 56 प्रतिशत थी, वहीं 2011 में यह बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई है।

वहीं 81 प्रतिशत शहरी महिलाओं के पास अब अपने खुद के बैंक खाते है। इसका संचालन भी वह कर रही है। बावजूद इसके शहरों को महिलाओं के अनुकूल या पसंद का बनाने के लिए जरूरी है, कि शहरों के विकास में उनकी राय ली जाए। उनकी भूमिका निर्धारित की जाए।

यह भी दिए अहम सुझाव- नेतृत्व में प्राक्सी व्यवस्था को किया जाए खत्म- अभी पार्षद महिलाओं का काम अधिकांश जगहों पर उनके पति देखते है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाओं को मुख्य भूमिका में लाया जाए।

2047 तक समृद्ध और धनवान देश बन जाएगा भारत, अमेरिकी रिपोर्ट में किया गया दावा

नई दिल्ली/ जीएनएस। यदि भारत लंबी अवधि में सात प्रतिशत की मजबूत दर से आगे बढ़ता है तो वर्ष 2047 तक देश एक समृद्ध और धनवान राष्ट्र बन सकता है।

वाशिंगटन एक्जामिनर की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ग्रोथ रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है और यह औसतन सात प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। उच्च-आय वाले राष्ट्रों में शामिल होगा भारत- विश्लेषण में कहा गया है यदि देश अगले 20 वर्षों तक इस विकास दर को बनाए रख सकता है, तो भारत उच्च-आय वाले राष्ट्रों में शामिल हो जाएगा। अभी 15 हजार डॉलर वार्षिक प्रति व्यक्ति आय वाले देशों को उच्च आय वाले राष्ट्र कहा जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस दीर्घकालिक विकास गति को बनाए रख सकता है और मध्य-आय जाल से बच सकता है, जिसने ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और तुर्किए जैसे देशों को बाधित किया है।

भगवान उसे सजा देगा..., कर्नाटक में अधिकारी ने की आत्महत्या, सीनियर पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में समाज कल्याण विभाग के एक अधिकारी ने आत्महत्या कर ली। अपनी मौत से पहले उसने एक वीडियो रिकॉर्ड किया जिसमें उनसे कहा कि उसी विभाग के एक सीनियर अधिकारी द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा था। हालांकि सीनियर अधिकारी ने ने इन आरोपों से इनकार किया है।

समाज कल्याण विभाग में असिस्टेंड डायरेक्टर मल्लिकार्जुन ने शुक्रवार शाम को पावागड़ा के अप्पा बंदे इलाके में स्थित विभाग के दफ्तर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अपनी मौत से पहले जो वीडियो अपने सहकर्मियों को भेजा था, उसमें मल्लिकार्जुन ने कहा कि उन्हें यह कदम उठाने के लिए इसलिए मजबूर होना पड़ा है क्योंकि विभाग के जिला डायरेक्टर कृष्णाप्पा उन्हें परेशान कर रहे थे।

भगवान जिम्मेदार व्यक्ति को सजा देंगे- मल्लिकार्जुन- पावागड़ा कालुका के गुंडरलाहल्ली के रहने वाले समाज कल्याण अधिकारी ने अपने परिवार के लिए चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उनके परिवार ने उनकी बहुत अच्छी देखभाल की है और वे उनके सहारे के हकदार हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि अब वे उन्हें सहारा नहीं दे पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके परिवार को बदला लेने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। भगवान और कानून ही इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति को सजा देंगे।

युद्ध रोकने में BRICS करें मदद, ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने पीएम मोदी से की मांग

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। ईद और नवरोज के मौके पर बधाई दी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित करने वाले हालिया घटनाक्रमों पर भी चिंता जताई।

एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने कहा, उन्होंने त्योहारों के इस मौसम में पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं, क्योंकि संघर्ष बढ़ रहा है, जिसमें एक तरफ इजरायल और अमेरिका हैं, तो दूसरी तरफ ईरान। राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन के बात की और ईद और नवरोज की बधाई दी। हमने उम्मीद जताई है कि त्योहारों का यह मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाएगा।

पीएम मोदी ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों की कड़ी निंदा की- प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों की कड़ी निंदा भी की, यह देखते हुए कि ऐसे कदम क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं।

शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें- पीएम मोदी- उन्होंने समुद्री सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया, विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों के आवागमन पर और तनाव के बीच नेविगेशन की आजादी की रक्षा करने तथा यह सुनिश्चित करने के भारत के रुख को दोहराया कि शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें।

पीएम ने पोस्ट में लिखा, क्षेत्र में अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों की निंदा की, जो क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। नेविगेशन की आजादी की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें।

ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने पीएम मोदी से की मांग- भारत में ईरान के दूतावास ने कहा कि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने BRICS से ईरान के खिलाफ आक्रामकता को रोकने में एक स्वतंत्र भूमिका निभाने का आह्वान किया। ईरान ने कहा कि पेजेशकियन ने पीएम मोदी से कहा कि युद्ध का अंत अमेरिका-इजराइली आक्रामकता को रोकने पर निर्भर करता है।

भारत में ईरान के दूतावास ने कहा कि राष्ट्रपति पेजेशकियन ने PM मोदी से कहा कि इस क्षेत्र में युद्ध और संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका और इजराइल की आक्रामकता को तुरंत रोकना एक अनिवार्य शर्त है।

पीथमपुर उद्योग क्षेत्र में एलपीजी तथा पीएनजी समस्याओं पर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज कार्यकारी संचालक एम.पी.आई.डी.सी. क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर के श्री हिमांशु प्रजापति द्वारा निर्यात भवन एसईजेड फेज-2, पीथमपुर जिला-धार में पीथमपुर एवं आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के उद्योगपतियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 70 से अधिक उद्योगपतियों के साथ ही विभिन्न उद्योगों में कैंटीन संचालन करने वाले सेवा प्रदाता भी शामिल हुये।

बैठक का मुख्य उद्देश्य पीथमपुर क्षेत्र में एलपीजी एवं पाइप्ड नेचुरल गैस से संबंधित चल रही समस्याओं पर चर्चा करना रहा। उद्योगपतियों द्वारा प्रमुख रूप से यह मुद्दा उठाया गया कि इन-हाउस कैंटीन संचालन हेतु एलपीजी की नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जिससे संचालन प्रभावित हो रहा है। यही समस्या कैंटीन सेवा प्रदाताओं द्वारा भी व्यक्त की गई।

बैठक में यह भी अवगत कराया कि पीथमपुर में कार्यरत प्रवासी श्रमिक, जिनके नाम पर स्थानीय गैस कनेक्शन नहीं है, उन्हें एलपीजी सिलेंडर प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। उद्योगों ने इस समस्या के शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अन्यथा श्रमिकों का पलायन हो सकता है। साथ ही यह सुझाव भी दिया गया कि श्रमिकों की सुविधा के लिए छोटे गैस सिलेंडरों की व्यवस्था की जाए, जिनका उपयोग श्रमिक वर्ग द्वारा प्रमुख रूप से किया जाता है।

पीएनजी से संबंधित विषय में उद्योगपतियों ने बताया कि पूर्व में औसत उपयोग के 80 प्रतिशत तक पीएनजी आपूर्ति रियायती दर पर उपलब्ध थी, जिसे वर्तमान में घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया है। उद्योगपतियों ने अनुरोध किया कि रियायती दर पर उपलब्ध आपूर्ति की यह सीमा बढ़ाकर पुनः 80 प्रतिशत की जाए, ताकि औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुचारु रूप से हो सके। इस संबंध में उद्योगों से पीएनजी की मांग भी एकत्रित की गई है।

बैठक में नवेरिया गैस एवं अवंतिका गैस के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे, जिनके साथ उपरोक्त विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

हिमांशु प्रजापति ने सभी पक्षों के सुझावों एवं समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि एमपीआईडीसी उद्योगों के सुचारु संचालन एवं श्रमिक हितों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

इंदौर के रियल एस्टेट कारोबारी को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी, कॉल कर मांगे करोड़ों रुपये

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक बार फिर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने एक कारोबारी को धमकी दी है। रियल एस्टेट कारोबारी को जान से मारने की धमकी देकर गैंग ने करोड़ों रुपये की मांग की। रुपये नहीं देने पर हत्या की धमकी दी गई। तुकोगंज क्षेत्र में रहने वाले रियल एस्टेट व्यवसायी संजय जैन को यह धमकी मिली है। बदमाशों ने फोन कर खुद को कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताते हुए धमकाया। पुलिस अफसर यह भी पता कर रहे है कि कॉल वाकई में गैंग से जुड़े लोगों ने किए थे या किसी ने गैंग का नाम लेकर डराने की कोशिश की।

आरोपियों ने शुरुआती कॉल में दस करोड़ रुपये की मांग की थी, लेकिन जब बाद में कारोबारी ने कॉल रिसीव नहीं किया, तो दोबारा संपर्क कर आरोपियों ने रकम बढ़ाते हुए और पांच करोड़ रुपये जोड़ दिए।लगातार मिल रही धमकियों के कारण पीड़ित और उनका परिवार काफी डर गया था और पुलिस की शरण ली। तुकोगंज पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है और जांच शुरू की है। कॉल डिटेल्स और इस्तेमाल किए गए नंबरों की जांच के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

आपको बता दें कि इससे पहले भी महू में इसी गैंग के नाम पर धमकी देने का मामला सामने आ चुका है। जिससे पुलिस इस पूरे घटनाक्रम को और गंभीरता से ले रही है।

युद्ध की वजह से दवा की सरकारी सप्लाई भी संकट में, उद्योगों ने की कैश पेमेंट की मांग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य-पूर्व एशिया में जारी युद्ध से दवा उद्योग भी अब संकट में आ गया है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में अस्पतालों और स्वास्थ्य विभाग को होने वाली दवा आपूर्ति भी संकट में पड़ सकती है। एमएसएमई श्रेणी के दवा उद्योग जो सरकार को दवा आपूर्ति करते हैं, उनके लिए बड़ी लागत से तालमेल बैठाना मुश्किल हो गया है।

इस बीच कई तरह के कच्चे माल की आपूर्ति भी तंग है। दवा उद्योगों ने सरकार से सहयोग की मांग की है। सरकारी आपूर्ति के टेंडरों की मियाद बढ़ाने से लेकर राहत पैकेज की जरूरत बताई है। साथ ही जीवन रक्षक दवाओं के लिए नए दामों पर अलग से शार्ट टेंडर जारी करने की जरूरत करार दी गई है। छोटे और मध्यम दवा निर्माता पर दबाव

स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव को पत्र लिखकर बदली परिस्थितियों के हिसाब से नीतियों को बदलने की मांग रखी है। दवा उद्योगों के प्रतिनिधियों के अनुसार कच्चे माल की तेजी से बढ़ी कीमतों, सप्लाई चेन में बाधाओं तथा सरकारी सप्लाई अनुबंधों की सख्त समय-सीमा के कारण हजारों छोटे और मध्यम दवा निर्माता भारी दबाव में हैं। एमपी स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने कहा है कि यदि शीघ्र राहत नहीं दी गई, तो आने वाले दो-तीन महीनों में बड़ी संख्या में दवा निर्माण कर रही इकाइयां बंद हो सकती हैं। केंद्रीय एवं राज्य स्वास्थ्य निकायों को व अस्पतालों को होने वाली जेनरिक दवा की आपूर्ति का 90 प्रतिशत हिस्सा इन एमएसएमई दवा इकाइयों से ही जाता है।

इंदौर अग्निकांड : बिना फायर एनओसी शहर में चल रहे अस्पताल, सो रहा स्वास्थ्य विभाग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।ब्रजेश्वरी एनएक्स में हुए अग्निकांड में आठ लोगों की मौत हो गई है। वहीं बुधवार को कटक के एससीबी मेडिकल कालेज में आग लगने के कारण अस्पताल में भर्ती 12 लोगों की मौत हुई है। कालेज के पास फायर एनओसी नहीं थी। इंदौर में हुई घटना के बाद मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की बात कही।

वहीं दूसरी ओर शहर के अस्पतालों की जिम्मेदारी निभाने वाला स्वास्थ्य विभाग अब तक जागा नहीं है। विभाग अब तक अपने अधीनस्थ पीसी सेठी अस्पताल की फायर एनओसी नहीं ले पाया है, जबकि नौ वर्ष से अस्पताल संचालित हो रहा है। इसके अलावा शहर में कई निजी अस्पताल भी बिना फायर एनओसी के संचालित हो रहे हैं। इन पर भी दिखावे की कार्रवाई ही करते नजर आ रहा है। सीएमएचओ द्वारा तीन वर्ष से निजी अस्पताल संचालकों के साथ बैठक की जा रही है। इसमें फायर एनओसी लेने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन काम नहीं होता है। अस्पतालों के पास फायर एनओसी नहीं होना यह दर्शाता है कि यदि कोई घटना होती है तो मरीजों को खतरा है। 13 मार्च को कलेक्टर और नगर निगम के अधिकारियों के पास शिकायत हुई है। जिसमें बताया गया कि शहर में 11 से अधिक अस्पताल हैं जो कि 50 से अधिक बेड की क्षमता के हैं और बिना फायर सेफ्टी के संचालित हो रहे हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने इन्हें अनुमति दे दी है।

शिकायत में बताया गया कि एमआर-9 स्थित अर्थोस मल्टी स्पेशिएलिटी अस्पताल, दुधिया स्थित एसएनएस अस्पताल, उद्योग नगर स्थित मेडीस्टा अस्पताल, न्यू पलासिया स्थित लक्ष्मी मेमोरियल अस्पताल, स्कीम-94 स्थित मयूर अस्पताल, स्कीम-71 स्थित प्रमिला अस्पताल, मांगलिया स्थित आरएन कपूर मेमोरियल अस्पताल, ओल्ड पलासिया स्थित स्कूल आफ एक्सीलेंस फार आई, कनाड़िया स्थित सेवाकुंज अस्पताल, खंडवा रोड स्थित शुभदीप मेडिकल कॉलेज, राऊखेड़ी स्थित सिटी अस्पताल के पास फायर एनओसी नहीं है।

भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट में एमपी ट्रांसको का हॉट मैन बना आकर्षण का केंद्र

400 केवी चालू लाइन में कार्य करने वाले लाइन स्टाफ राजेंद्र कुशवाहा का ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट -2026 में मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, ऊर्जा सचिव श्री विशेष गढ़पाले सहित अनेक विद्यार्थियों एवं आगंतुकों ने मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा प्रस्तुत मॉडल की सराहना की।

ऊर्जा विभाग के स्टॉल पर प्रदर्शित हॉट सूट मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस मॉडल में एक पुतले को एक्स्ट्रा हाई टेंशन इंसुलेटेड सूट पहनाया गया था, जिसे देखकर दर्शकों में उत्सुकता देखी गई।

एमपी ट्रांसको के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री संदीप गायकवाड़ ने इसकी कार्यप्रणाली को सरल भाषा में समझाया। इसके अलावा मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा उपयोग की जा रही ट्रांसमिशन टावरों की ड्रोन पेट्रोलिंग के संबंध में भी अनेक लोगों ने उत्सुकता पूर्वक जानकारी हासिल की।

चालू 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन मे किया जाता है मेंटेनेंस कार्य- उल्लेखनीय है कि इस विशेष इंसुलेटेड सूट को पहनकर प्रशिक्षित हॉटलाइन स्टाफ बेयर हैंड तकनीक के माध्यम से 400 केवी ट्रांसमिशन लाइनों पर बिना विद्युत आपूर्ति बाधित किए ही मरम्मत कार्य करते हैं। यह कार्य अत्यंत जटिल एवं उच्च दक्षता पूर्ण होता है।

इस अवसर पर मुख्यालय जबलपुर में पदस्थ एवं समिट में एमपी ट्रांसको के हॉटलाइन प्रशिक्षित लाइन स्टाफ का प्रतिनिधित्व करते हुए श्री राजेंद्र कुमार कुशवाह ने अपने अनुभव साझा करते हुये बताया कि 400 केवी की चालू लाइनों में खराब डिस्क बदलने जैसे जटिल कार्य भी प्रशिक्षित टीम द्वारा सफलतापूर्वक किए जाते हैं।

ऊर्जा मंत्री ने किया सम्मानित- ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने श्री कुशवाह के उत्कृष्ट एवं जोखिमपूर्ण कार्य की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियां हुईं आरंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण और जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा जल स्रोतों को संरक्षित करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। विभिन्न विभागों के समन्वय से गांव-गांव में तालाब, कुएं, चेकडेम और अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण एवं पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्य आरंभ हो गये है। शासन के 18 विभाग की अभियान में सहभागिता हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अभियान' को नोडल तथा नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के सह-नोडल विभाग बनाया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों के माध्यम से नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। भूजल संवर्धन, जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई व मरम्मत तथा नवीनीकरण, जल संग्रहण संरचनाओं के अतिक्रमण हटाने के कार्य अभियान में किये जायेंगे। स्कूलों में पेयजल गुणवत्ता परीक्षण, आंगनवाड़ियों तथा औद्योगिक इकाईयों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य भी किये जायेंगे। जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल स्त्रोतों तथा जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई की जायेगी। राजस्व रिकार्ड में जल संग्रहण संरचनाओं व नहरों को अंकित करने और मानसून सत्र में किये जाने वाले पौधारोपण के लिए आवश्यक तैयारियों के कार्य किये जाएंगे।

अठारह विभागों की है सहभागिता- जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन एवं आवास, वन, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जन अभियान परिषद और जनसंपर्क विभाग शामिल हैं।

नगरीय विकास विभाग द्वारा निकायों में अमृत 2.0 अंतर्गत जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, नदियों में मिलने नालों के शोधन की कार्य योजना बनाई गई है। तालाब, नदी, बावड़ी के संवर्धन एवं अतिक्रमण मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित कराने के साथ हरित क्षेत्र विकसित किये जायेंगे। जल संरक्षण में युवाओं की भागीदारी के लिए अमृत मित्र बनाकर माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण किये जायेंगे। नगरीय निकायों के प्रमुख स्थलों पर गर्मियों में पेय जल सुविधा के लिए जनसहयोग से सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था करना जैसे कार्य भी किए जाएंगे।

अभियान में वन विभाग द्वारा जलग्रहण क्षेत्र उपचार योजना के तहत लगभग सवा लाख हेक्टेयर में भूजल संवर्धन के कार्य, कृषि विभाग द्वारा बलराम तालाब और लाइन फ़ार्म पोंड का निर्माण और पर्यावरण विभाग द्वारा विशेष तौर पर बेतवा, क्षिप्रा, कान्ह और गंभीर नदियों के उद्गम से अंतिम सीमा तक सर्वेक्षण कर दूषित जल के मिलने के स्थानों का चिन्हांकन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के साथ सभी स्कूलों में पेयजल स्त्रोतों के जल की गुणवत्ता का परीक्षण करेगा। उच्च शिक्षा विभाग अपनी गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जागरूकता आधारित गतिविधियां आयोजित करेगा। जल संसाधन विभाग एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा लघु सिंचाई योजनाओं के तालाबों की मरम्मत के साथ नहरों की सफ़ाई और स्टॉप डैम तथा बैराज की मरम्मत तथा नहर प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जाएगा। उद्यानिकी विभाग सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्र का विस्तार कार्य करेगा एवं विकासखंडों में पानी चौपाल का आयोजन कर लगभग 55 हज़ार हेक्टेयर में पौधरोपण का कार्य करेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत राजस्व विभाग, पूर्व में बनाई गई ऐसी जल संरचनाएं जो राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है, उन्हें राजस्व अभिलेख में दर्ज करने का कार्य करेगा। राजस्व विभाग द्वारा समस्त विभागों द्वारा पूर्व में बनाए गए तालाबों, चेकडेम और स्टॉपडेम एवं अन्य जल संरचनाओं के साथ ही जल संसाधन विभाग की नहरों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जाएगा।

आलू चिप्स कारखानों में बिना ट्रांजिट पास पहुंच रही लकड़ियां, वन मुख्यालय तक पहुंची शिकायत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।आलू चिप्स बनाने वाले कारखानों में बिना ट्रांजिट पास से बड़ी मात्रा में लकड़ी पहुंच रही है। इस संबंध में वन विभाग के मुख्यालय तक शिकायत पहुंच गई है। वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरे मामले में इंदौर वनमंडल से जानकारी मांगी है। इसके बाद वनमंडल में हड़कंप मचा हुआ है। शिकायत में बताया गया है कि एक ही ट्रांजिट पास (टीपी) का इस्तेमाल कर एक से ज्यादा वाहनों से लकड़ी खाली करवाई जा रही है। यह नियमों का खुला उल्लंघन है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएफओ लाल सुधाकर सिंह ने जांच के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश पर एसडीओ प्रियंका बामनिया ने महू-मानपुर रेंज में संयुक्त टीम गठित की है। टीम को बिना ट्रांजिट पास चलने वाले वाहनों को पकड़ने के लिए कहा गया है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि पिछले एक हफ्ते में एक भी वाहन पर कार्रवाई नहीं हुई है।

इससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल डीएफओ पूरे मामले की गोपनीय रिपोर्ट तैयार करवा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं वनकर्मियों की मिलीभगत तो नहीं है। महू के कोदरिया-बड़गोदा और आसपास के इलाकों में कई आलू चिप्स कारखाने संचालित होते हैं। यहां नवंबर से अप्रैल के बीच भारी मात्रा में लकड़ी की जरूरत होती है। इसी का फायदा उठाकर लकड़ी माफिया सक्रिय हो जाते हैं और बिना वैध दस्तावेजों के लकड़ी सप्लाई करते हैं। सूत्रों के अनुसार इस बार दिसंबर-जनवरी में गुजरात और राजस्थान के नाम पर बने ट्रांजिट पास का उपयोग किया गया, जबकि लकड़ी इंदौर और धार जिले से ही भरी गई थी। इतना ही नहीं एक टीपी पर दो-दो गाड़ियों से लकड़ी पहुंचाने की शिकायत भी सामने आई है।

इंदौर के स्वच्छता मॉडल की देशभर में गूंज, राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के दल ने किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश में स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी शहर इंदौर के मॉडल को देखने के लिए राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली से आए अधिकारियों के दल ने शहर का दौरा किया। दल ने नगर निगम के स्वच्छता मॉडल, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम और नवाचारों का गहन अध्ययन किया।

इस दौरान नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सिटी बस ऑफिस में अधिकारियों का स्वागत करते हुए इंदौर के स्वच्छता मॉडल पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने शहर की स्वच्छता यात्रा, जीरो वेस्ट सिटी की पहल, प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन, सी एंड डी वेस्ट प्रोसेसिंग, बायो सीएनजी उत्पादन और जनभागीदारी आधारित अभियानों की जानकारी साझा की।

दल ने आईसीसीसी सेंटर, राजशाही जीटीएस, ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित बायो सीएनजी प्लांट और सी एंड डी वेस्ट प्लांट सहित विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया। अधिकारियों को बताया गया कि किस प्रकार इंदौर ने कचरा पेटियों को समाप्त कर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था लागू की और जीपीएस आधारित मॉनिटरिंग से इसे प्रभावी बनाया।

निरीक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि शहर में अब छह प्रकार के कचरे का पृथक्करण किया जा रहा है और उसे अलग-अलग प्रोसेसिंग प्लांट में भेजा जाता है। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर स्थापित एशिया के बड़े बायो सीएनजी प्लांट में गीले कचरे से गैस तैयार कर उसे लोक परिवहन में उपयोग किया जा रहा है।

निरीक्षण के बाद दल ने इंदौर नगर निगम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शहर ने स्वच्छता के क्षेत्र में एक मजबूत और प्रभावी मॉडल स्थापित किया है, जो अन्य शहरों के लिए प्रेरणादायक है। इस दौरान अपर आयुक्त अर्थ जैन, प्रखर सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

इंदौर फैला पर अग्निशमन सेवाएं सीमित, पांच फायर स्टेशनों के भरोसे शहर के 31 लाख लोग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश का अग्रणी महानगर बन रहा इंदौर तमाम आवश्यक सुविधाओं के मामले में फिसड्डी साबित हो रहा है। बुधवार को ब्रजेश्वरी कॉलोनी में हुए भीषण अग्निकांड में आठ लोगों की मौत के बाद एक बार फिर अग्नि शमन सुविधाओं की कमी खुलकर सामने आई है। शहर की नगर निगम सीमा के 276 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में रहने वाली 31 लाख की आबादी के लिए सिर्फ पांच फायर स्टेशन अभी संचालित हैं, ये बहुत कम हैं। महानगर के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी लोगों की जान पर आफत बन रही है। आग लगने के मामलों में अक्सर शिकायत मिलती है कि फायर ब्रिगेड देरी से पहुंची। ताजा हादसे में भी दमकलों के डेढ़ घंटा देरी से पहुंचने का आरोप लगाया है।

बुधवार तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच जब ब्रजेश्वरी कॉलोनी में पुगलिया परिवार के मकान में आग लगी तब गांधी हॉल स्थित अग्नि शमन केंद्र से दमकलें मौके पर पहुंची थीं। इन दोनों स्थानों की दूरी करीब सात किलोमीटर है। चूंकि, सुबह सुबह का वक्त था, इसलिए दमकलें पहुंचने में मात्र 20 मिनट का वक्त लगना था, जबकि मृतक के परिजनों का आरोप है कि दमकलें डेढ़ घंटे देरी से पहुंचीं।

अभी यहां चल रहे फायर स्टेशन- इंदौर में नगर निगम के अधीन अभी पांच प्रमुख फायर स्टेशन चल रहे हैं। इनमें से अधिकतर पुराने और शहर के मध्य हिस्सों में स्थित हैं। ये मोती तबेला स्थित फायर ब्रिगेड मुख्यालय के अलावा गांधी हॉल परिसर, लक्ष्मीबाई नगर, धार रोड स्थित टिंबर मार्केट और सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र में स्थित हैं। ये फायर स्टेशन मुख्य रूप से पुराने शहर और व्यापारिक इलाकों में ही जल्द पहुंचकर आग बुझाने के प्रबंध कर पाते हैं, जबकि शहर के मुख्य केंद्र राजवाड़ा से चारों दिशाओं में 10 से 15 किलोमीटर तक रहवासी कॉलोनियों और व्यावसायिक केंद्रों का विस्तार हो चुका है।

इन क्षेत्रों में आग बुझाना और समय पर पहुंचना बड़ी चुनौती- इंदौर का विस्तार अब सुपर कॉरिडोर, एमआर 10, खंडवा रोड, बायपास, राऊ, देवगुराड़िया और निपानिया जैसे कई नए क्षेत्रों तक हो चुका है। ये इलाके मौजूदा अग्नि शमन केंद्रों से 10 किलोमीटर तक दूर हैं। ऐसे में आग लगने की स्थिति में फायर ब्रिगेड की दमकलों को पहुंचने में लगने वाला रिस्पॉन्स टाइम तेजी से बढ़ रहा है। दमकलें मौके पर पहुंचे और आग बुझाएं तब तक जान और माल का काफी नुकसान हो चुका होता है।

नगर निगम और इंदौर जिला प्रशासन ने इस समस्या को देखते हुए शहरी क्षेत्र में 10 नए फायर स्टेशन बनाने की योजना बनाई है।

नए केंद्र राऊ, स्कीम नंबर 78, देवगुराड़िया, नए आईएसबीटी कुमेड़ी, निपानिया, कनाड़िया और पालदा में प्रस्तावित हैं। इनके अलावा कुछ उपकेंद्र भी विकसित करने की योजना है।

कांग्रेस की कार्यकारिणी में एक भी महिला को नहीं मिला स्थान, 20 साल में सबसे छोटी कार्यकारिणी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित हो गई है। यह पहला मौका है जब 20 वर्षों में कार्यकारिणी का आकार काफी छोटा रखा गया है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने सिर्फ 52 पदाधिकारी बताए हैं, जबकि कांग्रेस में जंबो कार्यकारिणी का चलन है। पंद्रह साल पहले शहर कार्यकारिणी में साढ़े पांच सौ से ज्यादा पदाधिकारी थे, जबकि पिछली कार्यकारिणी में ही 400 पदाधिकारी बने थे। इस बार की कार्यकारिणी में 52 पदाधिकारी बनाए गए हैं। जिनमें दस उपाध्यक्ष, 18 महामंत्री, 19 सचिव, दो प्रवक्ता, दो सोशल मीडिया प्रभारी और एक कोषाध्यक्ष बने हैं।

इस बार कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी शैलेष गर्ग को दी गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कार्यकारिणी का विस्तार हो सकता है। स्थान नहीं मिलने से कई नेता नाराज हैं, हालांकि चौकसे ने सभी गुटों से जुड़े नेताओं को स्थान देकर संतुलन बनाने की कोशिश की है। कार्यकारिणी में किसी भी महिला नेत्री को पद नहीं मिलने पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। भाजपा शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस लाड़ली बहना योजना का विरोध करते-करते खुद महिला विरोधी हो गई है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कहते हैं कि प्रदेश की महिलाएं ज्यादा शराब पीती हैं। अब कार्यकारिणी में एक भी महिला को पद न देकर कांग्रेस ने यह साबित कर दिया है कि वह महिला वर्ग के प्रति संवेदनशील नहीं है। कांग्रेस ने एक भी महिला को स्थान न देकर उनका अपमान किया है।

इस बार छोटी कार्यकारिणी बनाने पर जोर रहा। यह पहला मौका है जब शहर कार्यकारिणी में कम पदाधिकारी हैं।

इस बात के लिए चौकसे ने प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी को भी राजी कर लिया था। अब विधानसभा अध्यक्षों का गठन भी जल्दी किया जाएगा। इस बार कांग्रेस में सोशल मीडिया प्रभारी भी बनाए गए हैं।

ओवर चार्जिंग के आधे घंटे बाद लगी थी कार में आग, बैटरियां फूटने से पोल भी आया चपेट में

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ब्रजेश्वरी अग्निकांड को लेकर अभी तक सरकार या अन्य विभाग ने कोई रिपोर्ट पेश नहीं की है, लेकिन जांच के दौरान जो तथ्य सामने आ रहे हैं, उसमें कार के कारण ही आग लगने की वजह मानी जा रही है। विभागों की जांच में तकनीकी तथ्यों के अलावा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी शामिल हैं। मनोज पुगलिया के जिस बंगले में आग लगी थी, उसमें सोलर सिस्टम लगा हुआ था। इस कारण उनके घर में विशेष प्रकार का मीटर लगा हुआ था, जिसमें पल-पल का डेटा सुरक्षित रहता है। बिजली कंपनी ने उस डेटा का विश्लेषण कर पता लगाया कि जिस समय हादसा हुआ, तब घर का कुल लोड 9 किलोवाट तक पहुंचा था।

भक्ति और अनुशासन के साथ निकलेगी श्री वीर हनुमानजी यात्रा, प्रशासन-पुलिस के साथ समिति ने किया मार्ग निरीक्षण

1 अप्रैल को तलाई वाले बालाजी मंदिर से प्रारंभ होगी यात्रा, 31 मार्च को निकलेगी वाहन रैली, नगरभर में व्यापक तैयारियां

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान पशुपतिनाथजी की पावन नगरी मंदसौर में हनुमान जयंती के एक दिन पूर्व 1 अप्रैल को आयोजित होने वाली श्री वीर हनुमानजी यात्रा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन समिति ने शनिवार को पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों के साथ कंट्रोल रूम पर बैठक कर यात्रा की आवश्यक तैयारियों को लेकर चर्चा की और मार्ग का विस्तृत अवलोकन किया।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तरेसिंह बघेल, एसडीएम शिवलाल शाक्य, नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह भास्कर, शहर कोतवाली टीआई पुष्पेंद्र सिंह राठौर सहित आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, कोषाध्यक्ष दाऊ भाई विजयवर्गीय, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी, गौरव अग्रवाल, लोकेश पालीवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इसके साथ ही नगर पालिका और विद्युत मंडल के अधिकारी भी शामिल हुए। आयोजन समिति ने जानकारी दी कि 1 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तलाई वाले बालाजी मंदिर से यात्रा प्रारंभ होगी। आकर्षक रथ में तलाई वाले बालाजी का विग्रह विराजित रहेगा। यात्रा में बड़नगर का बैंड, महाराष्ट्र के ढोल, गोधरा के ताशे और उज्जैन का डमरू दल विशेष आकर्षण रहेंगे। इसके अलावा राम दरबार एवं हनुमान के विभिन्न स्वरूपों की जीवंत झांकियां भी शामिल होंगी।

यात्रा तलाई वाले बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर गांधी चौराहा, युवराज क्लब मार्ग, बड़े बालाजी, बस स्टैंड, भारत माता चौराहा, घंटाघर, शुक्ला चौक, मोदी पान कॉर्नर से होते हुए कलाखेत रोड नंबर-1, होटल नीलम के सामने, दया मंदिर रोड से पुनः मंदिर परिसर पहुंचेगी। यात्रा के विश्राम के पश्चात रात्रि 9 बजे सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा, जिसमें पूरे नगर की सहभागिता रहेगी। इसके पूर्व 31 मार्च को संध्या 5 बजे विशाल वाहन रैली निकाली जाएगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल ने कहा कि यात्रा पूर्णतः भक्ति और अनुशासन के साथ निकले तथा व्यवस्थाओं में पुलिस के साथ आयोजन समिति भी सक्रिय भूमिका निभाए। एसडीएम शिवलाल शाक्य ने सभी व्यवस्थाओं की पूर्व समीक्षा पर जोर देते हुए विद्युत मंडल को मार्ग में आने वाले तार एवं केबल ऊंचे करने तथा नगर पालिका को मार्ग के गड्ढों की मरम्मत एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के पश्चात पुलिस, प्रशासन और आयोजन समिति ने संयुक्त रूप से यात्रा मार्ग का भ्रमण कर संभावित बाधाओं को चिन्हित किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को समय रहते सभी अवरोध दूर करने के निर्देश दिए, ताकि आयोजन निर्विघ्न संपन्न हो सके। मार्ग अवलोकन के दौरान आयोजन समिति के हिम्मत डांगी, कमलेश सोनी, प्रद्युमन शर्मा, रमेश काबरा, दिलीप सोमानी, ज्योति जाजपुरिया, चेतन जोशी, नरेंद्र सिंह चौहान, हेमंत शर्मा, संजय गोठी, निरांत बग्गा, आनंद सुरा, हर्षित गुप्ता अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नवकार भवन में लग रहा है अष्ठ दिवसीय संस्कार शिविर, 90 शिविरार्थी कर रहे हैं सहभागिता

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिन शासन गौरव, आचार्य भगवन 1008 श्री विजयरामजी म.सा. की पावन प्रेरणा एवं जिन शासन दिप्ती विदुषी महासती श्री मणिप्रभा जी म.सा. एवं साध्वी मण्डल की पावन निश्रा में दिनांक 20 मार्च से 27 मार्च 2026 तक आठ दिवसीय संस्कार शिविर का आयोजन शास्त्री कॉलोनी स्थित नवकार भवन परिसर में किया जा रहा है। इस आठ दिवसीय शिविर में बालक व बालिका वर्ग के लगभग 90 शिविरार्थी प्रतिदिन जैन धर्म की शिक्षायें, संस्कार, आचार, विचार सीख रहे हैं। इस शिविर में मंदसौर नगर ही नही अपितु चित्तौड़गढ़, पाली (राज.), रतलाम, नीमच, कोटा के शिविरार्थी 8 दिवस तक यहीं रहकर प्रतिदिन जैन धर्म व श्रमण संस्कृति को सीखने के साथ ही योग एवं सामायिक प्रतिक्रमण करना भी सीख रहे हैं तथा नवकार महामंत्र, भक्तामर पाठ एवं कई महत्वपूर्ण मंत्रों का महत्व भी समझ रहे हैं। श्री साधुमार्गी शांतक्रांति जैन श्रावक संघ मंदसौर के द्वारा आयोजित इस शिविर की जानकारी देते हुये शिविर संयोजक विकास गजराज जैन (कोचेटा) ने बताया कि प्रतिदिन इस शिविर में शामिल शिविरार्थियों को महासती श्री मणिप्रभा जी म.सा. एवं अन्य साध्वीगण धर्म संस्कृति का पाठ पढ़ा रहे हैं। शिविर के आयोजन में श्री संघ अध्यक्ष विमल पामेचा, महामंत्री शेखर कासमा, अनिल डूंगरवाल, भूपेन्द्र भण्डारी, संरक्षक गजराज जैन, हस्तीमल जैन, भंवरलाल जैन नगरीवाला, अजय जैन गरोठ वाला, श्रीमती अंजना कोचेटा निरंतर अपनी सेवाये दे रहे हैं इसमें सभी का सहयोग भी मिल रहा है।

रतलाम में MP ODOP प्रगति समिट 2026 का आयोजन 22 मार्च को

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाप्रबंधक उद्योग श्री अतुल वाजपेयी ने बताया कि उद्योग संचालनालय, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के सशक्तिकरण हेतु सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, विशेष रूप से खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों एवं नमकीन उद्योग से जुड़े व्यवसायियों के समग्र विकास, विपणन विस्तार एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कैबिनेट मंत्री श्री चेतन्य काश्यप जी (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय) के मुख्य आतिथ्य में एक जिला, एक उत्पाद योजना अंतर्गत एक दिवसीय "MP ODOP प्रगति समिट 2026 का आयोजन द 22 मार्च (रविवार) प्रातः 10ः00 बजे से सायं 4ः00 बजे तक होटल बालाजी सेन्ट्रल,सैलाना रोड, रतलाम में किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य स्थानीय नमकीन एवं खाद्य उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना, उद्योगों को बड़े ब्रांड्स एवं संगठित बाजारों से जोड़ना तथा शासकीय योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में ODOP के संवर्धन, बाजार पहुंच, निर्यात के अवसर उपलब्ध कराने, उनकी गुणवत्ता को बढ़ाने, नवीन तकनीक से परिचित कराने एवं पैकेजिंग में सुधार हेतु मार्गदर्शन दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त नमकीन उत्पादों के लिए त्वद्ध टैग पंजीयन, MSME योजनाओं, स्टार्टअप पॉलिसी, अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी, पैकेजिंग, खाद्य गुणवत्ता, लॉजिस्टिक, ई-कॉमर्स, ब्रांड, विधि इत्यादि क्षेत्रों से विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। यह समिट खाद्य उद्योगों के लिए एक उत्कृष्ट अवसर है, जहां से उद्योगपति अपने व्यवसाय को नए बाजार, बेहतर ब्रांडिंग और आधुनिक विपणन माध्यमों से जोड़ सकते हैं। समिट का उद्देश्य स्थानीय नमकीन एवं खाद्य उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना, उद्योगों को बड़े ब्रांड्स एवं संगठित बाजारों से जोड़ना तथा शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में बराक ओबामा के लिए श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर में हवन और यज्ञ हुआ था, और वे जीते थे-वरिष्ठ पत्रकार महावीर अग्रवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मास्टर ऑफ जर्नलिजम की उपाधि प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार महावीरप्रसाद अग्रवाल ने कहा है कि मालवा का दशपुर नगर जिसे अब मंदसौर नाम से जाना जाता है। इस नगर के नाम का उल्लेख महाकवि कालिदास ने अपने मेघदूत में भी किया है। इस नगर में श्री हनुमानजी का एक प्राचीन मंदिर श्री तलाई वाले बालाजी का स्थित है। बालाजी का यह मंदिर बताया जाता है कि कोई 700 से 1000 वर्ष पुराना है। इतिहास बताता है कि श्री हनुमान जी की शूरता, वीरता ,दक्षता और बुद्धिमत्ता आदि गुण उसके पुंज है जिनकी भक्ति आराधना पूजा करने से भक्तों के सभी संकट दूर होते हैं। सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इसलिए यहां के पुरुष ,महिलाएं बच्चे, छात्र सभी अपनी अपनी मनोकामनाओं के पूरा होने के लिए इन्हें पूजते सजाते व चोला चढ़कर और हवन कर मन्नत मानते हैं। मन्नत पूरी होने पर कोई चोला चढ़ता है तो कोई प्रसाद बांटता है। परंतु चोले के लिए भक्त को यहां वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। भक्त को यहां चोला चढ़ाने की राशि जमा करने पर न केवल रसीद दी जाती है बल्कि उस पर चोला किस वर्ष में किस दिन चढ़ाया जाएगा उसकी तारीख भी लिख कर दी जाती है। बालाजी की यह प्रतिमा प्रारंभ में यहां पास ही एक वटवृक्ष के नीचे अपनी स्थापना के इंतजार में पड़ी रही। तलाई वाले बालाजी की ख्याति यहां नागरिकों में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। भक्तों का ऐसा विश्वास है कि बालाजी से मांगी गई मन्नत पूरी होती है।

वरिष्ठ पत्रकार महावीरप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2008 की बात है। इस वर्ष में 4 नवंबर को अमेरिका में राष्टपति पद के चुनाव हो रहे थे। राष्टपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी से बराक ओबामा चुनाव मैदान में खड़े हुए थे जबकि उनके सामने रिपब्लिकन पार्टी के जॉन मेकन मैदान में थे। अमेरिका में मंदसौर निवासी एक तलाई वाले बालाजी की भक्ति महिला ने अमेरिका में इस चुनाव में बराक ओबामा की जीत के लिए तलाई वाले बालाजी मंदिर में अनुष्ठान एवं यज्ञ करवाया था। श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि अमेरिका में राष्टपति पद के हुए इस चुनाव में बराक ओबामा की जीत हुई थी और उनके शुभचिंतक भक्तों ने यहां खुशी मनाई थी। यह तलाई वाले बालाजी का ही एक चमत्कार है कि यहां मन्नत मांगी गई और अमेरिका में बालाजी ने वह पूरी की।

वरिष्ठ पत्रकार महावीरप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि हजारों भक्त यहां तलाई वाले बालाजी मंदिर में दर्शन , पूजा अर्चना करने आते हैं और कई यहां मन्नतें मांगते हैं ।बालाजी उनकी मन्नते पूरी करते हैं। भक्तों की यहां भीड़ लगी रहती है ।बालाजी की महिमा दिन दूनी रात चौगुनी अपने भक्तों में बढ़ती जा रही है ।इस मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित धीरेंद्र त्रिवेदी इस मंदिर के चौमुखी विकास के लिए दिन-रात अथक मेहनत व परिश्रम कर रहे हैं, वह अनुकरणीय उदाहरण है। पंडित त्रिवेदी के नेतृत्व में मंदिर के सभी ट्रस्टी और उनसे जुड़े भक्त गण जिस तन्मयता से इस मंदिर के विकास में लगे रहते हैं वह तलाई वाले बालाजी के प्रति अपने प्रगाढ़ आस्था को दर्शाता है। वे सभी साधुवाद के पात्र हैं।मंदिर का आकर्षण और श्री तलाई वाले बालाजी का चमत्कार दूर-दूर के भक्तों को यहां खींच लाता है। वैसे तो मंदसौर में श्री बालाजी के विभिन्न नाम से अनेक मंदिर है। देश में ही हर शहर ,गांव और कस्बों तक में बालाजी के मंदिर है ।विदेश में भी बालाजी के प्रति लोगों में अटूट आस्था और विश्वास का प्रतीक है। वैसे भी यह माना जाता है कि हनुमान जी कलयुग के देवता हैं।उनके दर्शन मात्र से भगवान श्रीराम की कृपा सुलभ हो जाती है। मंदसौर नगर में पहली बार से तलाई वाले बालाजी महाराज राजशी ठाठ बाट के साथ हनुमान जयंती के पूर्व संध्या पर 1 अप्रैल 2026 को नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस दिन का भक्तों में इंतजार रहेगा।लोग उनके दर्शन पाकर धन्य होगे।

मंदसौर में ईद की रही धूम : ईदगाह पर हजारों ने पढ़ी नमाज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर सहित जिलेभर में ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय पर शनिवार सुबह शहर के ईदगाह में हजारों नमाजियों ने एकत्र होकर नमाज अता की। शहर काजी आसिफ उल्लाह खान ने नमाज का नेतृत्व किया। नमाज के दौरान सभी नमाजियों ने देश में शांति और समृद्धि की दुआ मांगी। नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर एसपी विनोद कुमार मीना, कलेक्टर अदिति गर्ग ने मुस्लिम समाज को ईद की शुभकामनाएं दीं। मंदसौर शहर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में भी ईद का उत्साह देखा गया। त्योहार के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। सभी जगह शांतिपूर्ण माहौल में ईद का त्योहार संपन्न हुआ।

मोटर साइकिल में 'सीक्रेट टैंक' से अफीम तस्करी का पर्दाफाश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान चित्तौड़गढ़, जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन ÷त्रिनेत्र÷ के तहत जिला स्पेशल टीम और निम्बाहेड़ा कोतवाली थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मोटरसाइकिल में बनाई गई गुप्त स्कीम का खुलासा करते हुए 9 किलो 864 ग्राम अवैध अफीम जब्त कर एमपी के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।इंटरस्टेट तस्करी कनेक्शन की आशंका जताते हुए पुलिस की सतर्कता से बड़ी तस्करी नाकाम हुई हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि आईजीपी रेंज उदयपुर गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर चलाये जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत जिले में मादक पदार्थो की तस्करी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। तस्करों के खिलाफ सख्त और निरंतर कार्रवाई जारी हैं। इसी क्रम में एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन व डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्रीलाल के सुपरविजन में निम्बाहेड़ा कोतवाली इंचार्ज थाना कन्हैयालाल उनि के नेतृत्व में जिला स्पेशल टीम हैड कानि. प्रमोद कुमार, कानि रतन सिंह, अमित कुमार, मनोज कुमार, दूर्गाराम, बलराम, प्रीतम, अजय, शिशराम व थाना कोतवाली निम्बाहेडा से कानि. विजयसिंह, जगदीश, सुभाष, विजय कुमार, गोविन्द सिह के द्वारा जलिया चैकपोस्ट पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान नीमच की तरफ से आई मोटर साईकिल होण्डा यूनिकोन के चालक की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने से मोटर साईकिल को रोककर गहनता से चैकिंग की गई तो मोटर साईकिल की पेट्रोल टंकी की नीचे बोल्ट लगा टंकी के नीचे की तरफ स्कीम बनाकर स्कीम के अंदर छुपाकर 06 पारदर्शी प्लास्टिक की थैलियो मे भरी अवैध अफीम 9 किलो 864 ग्राम को जब्त किया जाकर अवैध मादक पदार्थ की गुप्त स्कीम बनाकर तस्करी करने वाले आरोपी 27 वर्षीय रितुराज सिह राठोड पुत्र टीकम सिह राजपुत निवासी पिपल्यारावजी थाना मनासा जिला नीमच मध्यप्रदेश हाल राजपुत कॉलोनी टेम्पु स्टेण्ड के पास एफ 149 भीलवाडा थाना प्रतापनगर जिला भीलवाडा को गिरफतार किया गया। अवैध अफीम खरीद फरोख्त के संबंध में विस्तृत अनुसंधान जारी है। पुलिस अब इस मामले में तस्करी नेटवर्क, सप्लाई चेन और अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। संभावना है कि पूछताछ में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

सेवा, संस्कार और संगठन का संकल्पः भारत विकास परिषद मंदसौर में नई टीम का गठन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत विकास परिषद, मंदसौर शाखा का कार्यकाल पूर्ण होने पर स्थानीय होटल प्रेम गार्डन में नवीन निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। प्रांतीय संरक्षक सुनील सिंहल एवं प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम पोरवाल की उपस्थिति में निर्वाचन अधिकारी अशोक मंगल ने निर्वाचन प्रक्रिया संपादित कराई। इसमें डॉ. आशीष अग्रवाल को अध्यक्ष, दिलीप सेठिया को सचिव तथा अनिल सेठिया को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। साथ ही श्रीमती दीप्ति व्यास को महिला प्रमुख मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर प्रांतीय संरक्षक सुनील सिंहल ने कहा कि समाज में अपेक्षा रखने के बजाय स्वयं आगे बढ़कर कार्य करना आवश्यक है। सेवा भाव ही संगठन की पहचान है और हर सदस्य को इसी भावना के साथ कार्य करना चाहिए।

निर्वाचन अधिकारी अशोक मंगल ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत में शांति और सकारात्मक वातावरण है, जिसमें समाजसेवी संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि परिषद के लिए सोचना, देश के लिए सोचने के समान है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. आशीष अग्रवाल ने कहा कि भारत विकास परिषद पूरे देश में उल्लेखनीय कार्य कर रही है और मंदसौर शाखा भी सेवा कार्यों को नई गति देगी। उन्होंने आगामी कार्यकाल में 2100 फलदार पौधों का ट्री गार्ड के साथ रोपण, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में जल सेवा, 10 स्थानों पर जल सेवा स्टैंड स्थापित करने तथा दो मंदिरों में जल मंदिर निर्माण कर आरओ लगाने की योजना प्रस्तुत की।

सचिव दिलीप सेठिया ने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्ष 2025-26 में आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रांतीय बैठक, शपथ ग्रहण, 2 विशाल रक्तदान शिविर (40 यूनिट रक्तदान), कन्या कौशल प्रशिक्षण (110 प्रतिभागी), डॉक्टर डे एवं सीए डे सम्मान, स्थापना दिवस पखवाड़ा, 300 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, आत्मनिर्भर मेला, विजयादशमी पर जल व्यवस्था, समूहगान प्रतियोगिता तथा संपूर्ण वंदे मातरम गायन जैसे कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। कोषाध्यक्ष आशीष बंसल ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नवीन सदस्यों का सम्मान भी किया गया। समारोह का संचालन नरेंद्र त्रिवेदी ने किया। आभार सचिव दिलीप सेठिया ने माना।

बालकिशन धाकड़ को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बनाए गए नीमच जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष, समर्थकों में हर्ष

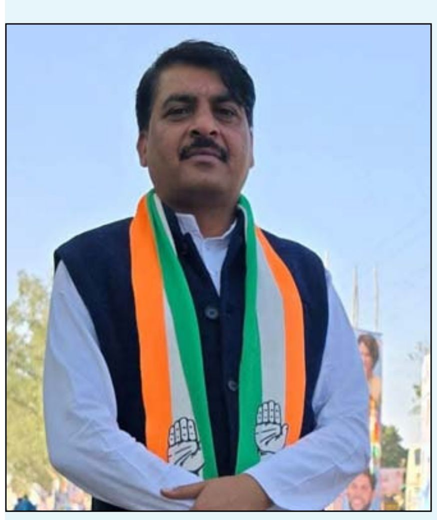

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस द्वारा संगठन के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के तहत मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में नई नियुक्तियां की गई हैं। इसी क्रम में नीमच जिले के लिए बालकिशन धाकड़ को जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जारी पत्र में बताया गया कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह नियुक्तियां की गई हैं। बालकिशन धाकड़ लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हुए हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के मुद्दों को लेकर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। पूर्व में भी वे पार्टी की विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके है उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं किसान नेताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टीजनों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में किसान कांग्रेस संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा किसानों की समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठाया जाएगा। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष बालकिशन धाकड़ ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे किसानों के हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

जिले में शांति, सदभाव और भाईचारे के साथ मनाया ईद-उल-फित्तर का त्यौहार

कलेक्टर एवं एस.पी.ने नीमच, रामपुरा में ईदगाह पहुचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश एवं प्रदेश के साथ ही नीमच जिले में पवित्र रमजान माह के अवसर पर शनिवार को ईद-उल-फितर का त्यौहार प्रेम एवं भाईचारे के साथ मनाया गया। मुस्लिम भाईयों ने उत्साहपूर्वक ईदगाह स्थल पर पहुचकर, ईद उल फितर पर नमाज अदा कर अमन एवं चैन की दुआएं मांगी और एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारक बाद दी। जिले में ईद-उल-फितर का त्यौहार शांति एवं सदभाव, आपसी प्रेम एवं भाईचारे की भावना के साथ मनाया गया।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं एसपी श्री अंकित जायसवाल, एडीएम श्री बी.एस.कलेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसोदिया सहित अधिकारियों ने शनिवार को सुबह से ही ईदगाह स्थल पहुचकर ईद-उल-फितर पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री चंद्रा, एसपी श्री जायसवाल ने ईद-उल-फितर पर सुबह से ही नीमच शहर के केंट थाना क्षेत्र के अम्बेडकर कॉलोनी नीमच ईदगाह, पीपली चौंक, नीमच सिटी स्थित ईदगाह पहुचंकर ईद-उल-फितर पर की गई, प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एस.पी. ने मनासा, कुकडेश्वर तथा रामपुरा के ईदगाह पर ईद-उल-फितर पर मुस्लिम समाजजनों द्वारा अदा की जा रही नमाज एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस मौके पर नीमच में एसडीएम श्री संजीव साहू, सीएसपी श्री किरण चौहान, तहसीलदार श्री अजेन्द्रनाथ, श्री संतोष कुमार, थाना प्रभारी श्री नीलेश अवस्थी, श्रीमती पुष्पा चौहान, मनासा, रामपुरा एवं कुकड़ेश्वर में एसडीएम सुश्री किरण आंजना, एसडीओपी सुश्री निकिता सिह तहसीलदार श्री मुकेश निगम एवं श्री मृगेन्द्र सिसोदिया भी उपस्थित थे।

सीएचओ की मांगों को लेकर विधायक दिलीप सिंह परिहार को सौंपा ज्ञापन

कार्य आधारित प्रोत्साहन में बदलाव की उठी मांग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आज नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के बैनर तले दिया गया, जिसमें कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि (इंसेंटिव) के मापदंडों में संशोधन की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सीएचओ को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का बड़ा हिस्सा कार्य आधारित लक्ष्यों से जुड़ा हुआ है, लेकिन कई मापदंड व्यवहारिक नहीं होने के कारण लक्ष्य प्राप्त करना मुश्किल हो रहा है। इससे न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि कार्य के प्रति निराशा भी बढ़ रही है।

सीएचओ प्रतिनिधियों ने विधायक को अवगत कराया कि एनसीडी स्क्रीनिंग, आयरन सुक्रोज इंजेक्शन, टीबी कार्यक्रम सहित कई योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं हैं। कई स्वास्थ्य केंद्रों में जनसंख्या अधिक होने के कारण लक्ष्य पूरे करना संभव नहीं हो पाता, वहीं कुछ स्थानों पर संसाधनों की कमी भी बड़ी बाधा बन रही है।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि पूर्व की भांति मासिक प्रोत्साहन राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए और तकनीकी समस्याओं के चलते पोर्टल पर क्लेम नहीं हो पाने की स्थिति में अलग से व्यवस्था बनाई जाए। साथ ही हेल्पलाइन नंबर जारी करने की मांग भी रखी गई, ताकि समस्याओं का समय पर समाधान हो सके।

इस दौरान सीएचओ प्रतिनिधि ललित शर्मा, योगेंद्र कुमावत, पिंकेश परिहार, अमृत लाल मेघवाल, सुमन मालवीय, रीना बेरागी, आदित्य प्रकाश एवं कविता वर्मा सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में अपनी मांगों को रखा और जल्द समाधान की उम्मीद जताई।

विधायक दिलीप सिंह परिहार ने प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि इस विषय को उच्च स्तर पर उठाकर समाधान के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

सम्पादकीय

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है-व्यक्ति के भीतर योग अर्थात् आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात् शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

देवी दुर्गा स्वरूप में हृदय चक्र पर निवास करती हैं

चैत्र नवरात्रि का आगमन अर्थात् शक्ति की आराधना का पर्व उल्लास उमंग और नव सृजन का पर्व। स्वयं शक्ति स्वरूपा सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने नवरात्रि के संदर्भ में अपना संदेश दिया है कि, हम अपने शास्त्रों में देवी के कई वर्णन पाते हैं। वे सब बिलकुल सही हैं। कुछ गलत नहीं लिखा है। लेकिन उन्हें और उनके महत्व को गहराई से समझने के लिए, आपको सहजयोग के माध्यम से वाइब्रेशंस को पहचानना होगा। हर शक्ति के अलग-अलग स्पंदन होते हैं। यह बहुत ही सूक्ष्म है। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, आप अपनी विवेक शक्ति से इसे बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। जब लोग उन्हें कभी चामुंडा और कभी किसी अन्य नाम से संबोधित करते हैं तो लोग भ्रमित हो जाते हैं। लेकिन शक्ति (देवी) के अलग-अलग रूप हैं। जब भी आवश्यकता होती है वह उस रूप का उपयोग करती हैं। ऐसा नहीं है कि ये दुर्गा हैं तो ये चामुंडा कौन हैं. वे सब वहाँ हैं। देवी की शक्ति के बिना कोई भी अवतार कोई कार्य नहीं कर सकता। चाहे गुरु हों, या श्री राम या श्री कृष्ण या श्री ईसा मसीह जैसे अवतार हों। हर कोई देवी की शक्ति से काम करता है। इसलिए हमारे देश में मां का सम्मान किया जाता है। भारतीय, शक्ति की पूजा करते हैं। रूपों में अंतर हो सकता है; लेकिन वास्तव में वे सभी शक्ति की पूजा कर रहे हैं।

देवी दुर्गा रूप में हृदय चक्र में निवास करती हैं। वह हृदय चक्र की अध्यक्षता करती हैं। यह वास्तव में हृदय चक्र की शक्तियों में से एक है। जो ऊर्जा इस शक्ति को और अधिक प्रभावी बनाती है वह कुंडलिनी की होती है जब वह वहां आती है। कुण्डलिनी जब हृदय में आ जाती है, कुण्डलिनी जगदम्बा है! यह अम्बा है, जो इस शक्ति को बढ़ाती है।

जब कोई व्यक्ति सहज योग को स्वीकार करता है; आत्मसाक्षात्कार के साथ-साथ यह शक्ति यहाँ हृदय में स्थित हो जाती है और उसकी पूर्ण रक्षा करती है। कोई उनका कुछ बिगाड़ नहीं सकता। उसके सिर का एक बाल भी छुआ नहीं जा सकता। लेकिन, आपको उन्हें शुद्ध प्रेम और भक्ति के साथ हृदय में स्थापित करना होगा।

डिग्री तो मिली, लेकिन आज़ादी नहीं - युवा डिजिटल दास

आज की युवा पीढ़ी के लिए डिजिटल आज़ादी का सपना अब कठिन हकीकत बन चुका है। समुद्र तट पर काम करने, खुली हवा में लैपटॉप खोलकर पैसे कमाने और दुनिया घूमने की कल्पना अब छोटे-छोटे फ्लैट, बिजली कटौती और लगातार काम के दबाव में उलझकर रह गई है। हर सुबह उठते ही नए प्रस्ताव भेजने की चिंता और कमाई की अनिश्चितता उनके दिन की शुरुआत बन जाती है, और रात खत्म होती है रिजेक्शन और अधूरी उम्मीदों की चिंता में। घंटों मेहनत के बावजूद केवल न्यूनतम मजदूरी मिलती है, और सोशल मीडिया की चमक-दमक से वास्तविकता का अंतर और गहरा दिखता है। यह कोई डिजिटल नोमैड की स्वप्निल दुनिया नहीं, बल्कि 'डिजिटल भिखारी' बनने की कठोर हकीकत है।

डिजिटल दुनिया अक्सर धोखा देती है। समुद्र तट पर काम, कॉफी के साथ लैपटॉप, और योग करते हुए मीटिंग ङ्क यह केवल स्क्रीन पर दिखती झलक है। भारतीय युवा इसे देखकर सोचते हैं कि बस इंटरनेट और लैपटॉप चाहिए, बाकी सब आसान होगा। असलियत अलग है। भारत में गिग इकोनॉमी का जाल इतना जटिल है कि स्थिर कमाई और सुरक्षा मुश्किल है। इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 के अनुसार गिग वर्कर्स की संख्या 2021 में 7.7 लाख थी, जो 2025 तक 1.2 करोड़ तक बढ़ गई। करीब 40त्र की मासिक कमाई 15,000 रुपये से कम है। विदेशी क्लाइंट उन्हें सस्ता विकल्प मानते हैं। यह स्वतंत्रता नहीं, बल्कि नई गुलामी है ङ्क मेहनत ज्यादा, कमाई कम, सुरक्षा शून्य।

नौकरी के अवसरों की कमी और एआई के बढ़ते दबाव ने युवा पीढ़ी को फ्रीलांसिंग की ओर धकेल दिया है। स्टार्टअप बंद हो रहे हैं, नियमित रोजगार सिकुड़ रहे हैं, और घर बैठे विदेशी मुद्रा कमाने का सपना आकर्षक बन गया है। लेकिन गिग इकोनॉमी में शुरुआत ही कठिन है। लाखों फ्रीलांसर एक ही प्रोजेक्ट के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। औसतन भारतीय फ्रीलांसर 10-15 डॉलर प्रति घंटा चार्ज करते हैं, जबकि वैश्विक औसत 40 डॉलर से अधिक है। खुद को सस्ता साबित करना उनकी दिनचर्या बन गई है। हर भेजा गया प्रपोजल गुहार की तरह और हर रिजेक्शन चोट की तरह महसूस होता है। यही वह शुरुआत है, जो उन्हें 'डिजिटल भिखारी' बनाती है ङ्क जहां क्लाइंट राजा और युवा पूरी तरह उसकी दया पर निर्भर होता है।

दिन-रात की मेहनत के बावजूद युवा केवल अधूरी सफलता पाते हैं। रात के 3 बजे क्लाइंट के संदेशों का जवाब देना, अनगिनत संशोधन मुफ्त में करना, और फिर भी पेमेंट में देरी का सामना करना उनकी सामान्य दिनचर्या बन गई है। प्लेटफॉर्म फीस और टैक्स का बोझ लगातार बढ़ता है, जबकि स्वास्थ्य बीमा, पेंशन या छुट्टी जैसी सुरक्षा का कोई विकल्प नहीं है। अमेरिकी फ्रीलांसरों की तुलना में भारतीय चार गुना कम दर पर काम करते हैं। महीनों की मेहनत के बाद भी बचत नगण्य रहती है। ईएमआई, किराया और रोजमर्रा के बिलों का दबाव लगातार बना रहता है। गिग इकोनॉमी उन्हें बांधती है, लेकिन सुरक्षा नहीं देती। सपना बड़ा, हकीकत कड़वी।

मानसिक दबाव अब स्पष्ट हो चुका है। डिजिटल भिखारी दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहते हैं। अलग टाइम जोन की वजह से नींद गायब हो जाती है। लगातार रिजेक्शन और आर्थिक अनिश्चितता डर और बर्नआउट पैदा कर रही हैं। महिलाएं दोहरी जिम्मेदारी झेल रही हैं ङ्क घर और गिग दोनों का बोझ। कोई साथ नहीं, कोई यूनियन नहीं। पारंपरिक भिखारी सड़क पर खुलकर मांगते हैं, लेकिन डिजिटल भिखारी अकेले कमरे में टूटता है। युवा पीढ़ी, जो देश का भविष्य थी, अब प्लेटफॉर्म एल्गोरिदम की कैद में है। निराशा बढ़ रही है, आत्मविश्वास घट रहा है।

कमजोर व्यवस्था समस्या को और गहरा कर रही है। शिक्षा केवल डिग्री देती है, स्किल्स नहीं। गिग इकोनॉमी को बढ़ावा तो दिया जा रहा है, लेकिन मजबूत कानून नहीं हैं। श्रमिकों को 'स्वतंत्र ठेकेदार' घोषित करके उनके अधिकार छीने जा रहे हैं। बेरोजगारी के दबाव में युवा इस राह पर आते हैं, लेकिन सुरक्षा शून्य रहती है। अनुमान है कि 2029-30 तक गिग वर्कर्स 2.35 करोड़ तक पहुंच जाएंगे। अधिकांश कम वेतन, अनिश्चितता और थकान में जीवन यापन कर रहे होंगे। विदेशी क्लाइंट्स की दया पर निर्भरता बढ़ रही है, देश और जमीन से कनेक्शन कमजोर हो रहा है।

अब बदलाव का समय है। युवा समझें कि डिजिटल भिखारी बनने का कोई रास्ता नहीं है। स्किल्स में निवेश करें ङ्क एआई, विशेष क्षेत्रों और लोकल नेटवर्किंग। स्थिर करियर या वास्तविक उद्यमिता चुनें, जहां सम्मान और सुरक्षा हो। सरकार को गिग वर्कर्स के लिए मजबूत सुरक्षा कानून बनाना चाहिए। सोशल मीडिया की झूठी चमक छोड़ें और हकीकत देखें। सच्ची आज़ादी स्किल और आत्मनिर्भरता से आती है, भीख से नहीं। यदि युवा एकजुट होकर अपनी कीमत तय करें, तो यह दौर बदला जा सकता है।

युवा पीढ़ी के लिए यह अंतिम चेतावनी है। डिजिटल नोमैड बनने का सपना देखने वाले आज 'डिजिटल भिखारी' बन चुके हैं, जहां उनकी मेहनत, समय और उम्मीदें पूरी तरह दूसरों की दया पर निर्भर हैं। परिवर्तन का सामर्थ्य उनके हाथ में है, लेकिन जागरूकता जरूरी है। अगर आज सचेत नहीं हुए, तो आने वाला कल पूरी युवा पीढ़ी के लिए आर्थिक शोषण और मानसिक दबाव लेकर आएगा। असली स्वतंत्रता केवल कमाई में नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान, गरिमा और अपने फैसले लेने की शक्ति में है। उठो युवा, अपनी योग्यता और मूल्य पहचानो ङ्क क्योंकि भीख मांगते हुए कोई सच्चा नोमैड या असली स्वतंत्र व्यक्ति कभी नहीं बन सकता।

-प्रो. आरके जैन

पवित्र नवरात्रि का चतुर्थ दिवस

नवरात्रि के पावन पर्व में चौथे दिन पूजी जाने वाली माता कुष्मांडा को आदिशक्ति का वह भव्य स्वरूप माना गया है, जिनसे सम्पूर्ण सृष्टि का उद्भव हुआ। जब यह संसार नहीं था, न समय था, न दिशा, न आकाश, न पृथ्वी चारों ओर केवल असीम अंधकार और शून्य व्याप्त था,तब उसी अनंत शून्य में एक दिव्य शक्ति विद्यमान थी वही शक्ति माता कुष्मांडा। ब्रह्मांड की उत्पत्ति का दिव्य रहस्य पुराणों में वर्णित है कि जब सृष्टि का कोई अस्तित्व नहीं था, तब माता ने अपनी एक हल्की सी मुस्कान (हास्य) से ब्रह्मांड की रचना कर दी। यह कोई साधारण मुस्कान नहीं थी, बल्कि उसमें सृजन की अनंत ऊर्जा समाहित थी।

उनके इस दिव्य हास्य से एक अंड उत्पन्न हुआ जिसे ब्रह्मांड कहा गया। यही कारण है कि उन्हें कुष्मांडा कहा गया है-कु = थोड़ा,उष्मा = ऊर्जा,अंड = ब्रह्मांड। अर्थात, वह देवी जिन्होंने अपनी थोड़ी-सी ऊर्जा से पूरे ब्रह्मांड की रचना कर दी। कहा जाता है कि उसी क्षण समय का आरंभ हुआ, दिशाओं का निर्माण हुआ, और जीवन के बीज अंकुरित होने लगे। माता ने ही सूर्य, चंद्रमा, ग्रह, नक्षत्र, आकाशगंगा और समस्त जीव-जगत को उत्पन्न किया।

सूर्य में निवास और ऊर्जा का स्रोत - माता कुष्मांडा का निवास सूर्य के भीतर बताया गया है। यह मान्यता केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि अत्यंत गूढ़ आध्यात्मिक संकेत देती है। सूर्य समस्त ऊर्जा का स्रोत है प्रकाश, ताप, जीवन सब उसी पर आधारित है। माता उसी सूर्य के केंद्र में निवास करती हैं, अर्थात् वे स्वयं ऊर्जा की परम स्रोत हैं। उनकी शक्ति से ही सूर्य प्रज्वलित है, उनकी कृपा से ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। इसीलिए माता को आदिशक्ति और ऊर्जा की अधिष्ठात्री देवी कहा जाता है।माता का दिव्य स्वरूप - माता कुष्मांडा का स्वरूप अत्यंत तेजस्वी, शांत और अलौकिक है

उनकी आठ भुजाएं होती हैं, इसलिए वे अष्टभुजा देवी कहलाती हैं।उनके हाथों में विभिन्न दिव्य आयुध और वस्तुएं होती हैं कमंडल, धनुष, बाण, कमल, अमृत से भरा कलश, चक्र, गदा और जपमाला। यह सभी प्रतीक जीवन के विभिन्न आयामों जैसे ज्ञान, शक्ति, समृद्धि, और साधना का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका वाहन सिंह है, जो निर्भयता, साहस और धर्म की रक्षा का प्रतीक है। उनका मुखमंडल सदैव प्रसन्न रहता है, मानो वे सृष्टि को अपनी मुस्कान से संचालित कर रही हों।

कुम्हड़ा (कद्दू) और माता की प्रियता- एक जनश्रुति के अनुसार माता को कुष्मांड अर्थात् कुम्हड़ा (कद्दू) अत्यंत प्रिय है। इसलिए भक्त उन्हें कद्दू का भोग अर्पित करते हैं। कद्दू को यहाँ केवल एक फल नहीं, बल्कि पूर्णता और पोषण का प्रतीक माना गया है।जैसे माता सम्पूर्ण सृष्टि का पालन-पोषण करती हैं देवताओं को शक्ति प्रदान करने की कथा- एक समय असुरों के अत्याचार से देवता अत्यंत व्याकुल हो उठे। उनके पास शक्ति नहीं थी कि वे उन दुष्ट शक्तियों का सामना कर सकें। तब माता कुष्मांडा ने अपनी दिव्य ऊर्जा का अंश देवताओं में प्रवाहित किया। उनके इस वरदान से देवताओं में बल, साहस और तेज का संचार हुआ।

-संजीव ठाकुर

अहसान का मनोविज्ञानः रिश्तों की मिठास और आत्मसम्मान का संघर्ष

हो सकता है कि वो असल जिन्दगी का नहीं बल्कि रील के रूप में या सोशल मीडिया के लिए बनाया गया वीडियो हो लेकिन उस वीडियो ने मन को सोचने पर मजबूर कर दिया कि अहसान किस हद तक रिश्तों में कड़वी भूमिका निभाता है और किसी के भी आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाने की कूवत रखता है। संक्षेप में, उस वीडियो में प्रसंग ये था कि एक प्रेमी जोड़ा किसी रेस्टोरेंट जैसी जगह पर बैठे हैं। युवती अपना मोबाइल उठाकर खुद का वीडियो बनाने लगती है, तभी उसका प्रेमी उस वीडियो के फ्रेम में आने की कोशिश करता है कि उसका भी साथ में वीडियो बन जाए लेकिन युवती किसी मंशा से, हाथ से युवक को दूर कर देती है कि मुझे सिर्फ अपने अकेले का वीडियो बनाना है और वीडियो बनाने के लिए चेहरे पर विविध भाव लाने में व्यस्त हो जाती है।

युवती की इस हरकत से युवक असहज हो जाता है और गुस्से वाले अंदाज से लड़की के हाथ से मोबाइल छीन लेता है और फोन से सिम निकालकर लड़की के सामने टेबल पर रख देता है। युवक फोन लेकर चला जाता है और टेबल पर रखा खाने-पीने का सामान भी अपने साथ ले जाता है। इस वीडियो की घटना मन की कुछ परतों को हास्य के रूप में गुदगुदाती भी है और मनोरंजन जैसा अहसास होता है लेकिन एक अन्य स्तर पर ये भी तीखा महसूस होता है कि किसी का अहसान कितनी बुरी चीज होता है। अगर ये घटना सच मान लो तो, युवक ने प्रेम सम्बन्ध में अपना दिया हुआ उपहार वापस ले लिया क्योंकि उसको लगा कि उसकी प्रेमिका ने उसका अपमान किया है। प्रेम सम्बन्ध पाने से पहले इजहार करने तक पुरुषों का व्यवहार बहुत कोमल और संवेदनशील होता है, वो समर्पण दिखाते हैं, मिन्नतें करते हैं लेकिन प्रेम सम्बन्ध बन जाने के बाद उनका पौरुष सामने आ जाता है जिसमें दमन वाला भाव होता है, लापरवाही वाला व्यवहार होता है, उनका इगो भी प्रबल रूप से प्रकट होने लगता है।

दिया हुआ उपहार एक भौतिक वस्तु होता है और सम्बन्ध टूटने पर भौतिक वस्तुओं का वापस विनिमय हो सकता है लेकिन प्रेम, आनन्द, भावना आदि अमूर्त या अभौतिक वस्तुएँ है। रिश्ता टूटने पर प्रेम का हिसाब-किताब और प्रत्यावर्तन कैसे हो सकता है कि तुमने इतना समर्पण दिया था और तुमने उतनी वफा की थी। ऐसा ही एक और दृश्य याद आ रहा है कि रजनीकांत की फिल्म रोबोट में नायक वैज्ञानिक है और नायिका को समय न देने के कारण नायिका उससे सम्बन्ध तोड़ देने का विचार करती है। वे दोनों प्रेम सम्बन्ध के दौरान दिए गए, लिए गए उपहारों की वापसी करने के लिए बैग में भरकर ले आते हैं। लेकिन नायक अपनी सूझबूझ और कला से नायिका को भावुक करके प्रेम को टूटने से बचा लेता है। बात सिर्फ उपहार की नहीं है, अहसान किसी भी तरह का हो, कभी न कभी सम्बन्धों को खराब कर देता है और एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष को नीचा दिखाने के अस्त्र के रूप में प्रयोग किया जाता है। प्रेमचन्द की कहानी गुल्ली-डंडा में भी एक घटना है जिसमें नायक सहनायक को, जिसका नाम गया है, को बचपन में एक बार अमरूद खाने को देता है और खेल में विवाद होने पर अमरूद खिलाने का ताना मारता है और कह देता है कि तुमने मेरा दिया अमरूद खाया था इसलिए मैं खेल में सहयोग नहीं करूँगा और तुम्हारी बारी नहीं दूँगा। मानव मन की बहुत सारी कमजोरियों में से ये भी एक खास कमजोरी है कि वो किसी को कुछ देता है खासकर भौतिक चीज, पैसे की चीज, खाने की चीज आदि तो उम्र भर याद रखता है कि अमुक चीज मैंने अमुक इनसान को दी थी और उस इनसान की इस तरह मदद की थी। मेरे स्वर्गीय पिताजी अक्सर जीवन-दर्शन की बातें बताते रहते थे और उसमें ये प्रमुख होती थी कि भले व्यक्ति भूखा रह ले लेकिन किसी का अहसान न ले।

मेरे जीवन की भी एक पुरानी पर यादगार घटना है कि शिक्षक के रूप में मेरी नौकरी घर से दूर एक गाँव में लगी। घर से दूर रहने का पहला मौका था और खाने, पीने, रहने आदि की भी शुरूआती अव्यवस्था थी। सुबह जल्दी जाना पड़ता था और आपूर्ति न होने के कारण मेरा चाय-प्रेम मुझे ज्यादा अखरता था। बिना चाय पीए नहाना मेरे लिए ऐसे था जैसे बिना एनेस्थीसिया के ऑपरेशन करवाना। स्कूल जाने के बाद भी चाय का चेहरा ऐसे याद आता था जैसे ममता कालिया की कहानी दूसरा देवदास का नायक संभव, नायिका पारो को प्रथम भेंट में देखता है और घर जाने के बाद तक व्याकुल रहता है। कुछेक दिन बाद क्लास से दोस्ती हो जाने पर मैंने अपनी व्यथा बच्चों से साझा की तो अगले ही दिन एक अभिभावक केतली में चाय भरकर ले आए और कहने लगे कि ये तो बहुत छोटी बात है, बच्चे आपकी तारीफ करते हैं, हमें तो खुशी होगी चाय पिलाकर। मेरा किसी गाँव आने का पहला अवसर था और ये सद्भाव देखकर गदगद हो गया। अगले दिन से वो छात्र सुबह-सुबह मेरे लिए या स्टाफ के लिए भी चाय लेकर आने लग गया। मुझे तो जैसे जीवन-अमृत मिल गया।

हफ्ता भर गुजरा होगा, वो अभिभावक फिर स्कूल आए। बोले कि अब और तो कोई समस्या नहीं है न? चाय तो ठीक है न? कुछ इधर-उधर की बातों के बाद वो मुद्दे पर आए। बोले - आपका जो छात्र है, उसका बड़ा भाई प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। स्कूल से जाते समय आप उसे आधा घंटा, एक घंटा गणित पढ़ा दो तो उसका भला हो जाएगा। मेरा तो सिर भारी हो गया। एक कप चाय के बदले अब घंटा भर ट्यूशन पढ़ाओ। मना भी नहीं कर सकता था क्योंकि चाय का अहसान लिया हुआ था। कुछ दिन पढ़ाना भी पड़ा। ये घटना याद रहती है और किसी से कुछ उपहार पाते, किसी की कोई चीज खाते, मन के किसी कोने में भाव जीवित हो उठता है कि आज का ये अहसान कल न जाने किस रूप में वापस चुकता करना पड़े। कल परसों एक फीचर आलेख पढ़ा था जो कार्यालय व्यवस्था और प्रशासनिक सम्बन्धों पर आधारित था। उसमें ये विचार था कि दफ्तर में जरूरत से अधिक काम करना और अपनी प्रतिभा दिखाकर ऑफिस का हीरो बनने पर स्टाफ साथी आप पर निर्भर हो जाते है और खुद का काम भी आप को ही सौंप देते हैं इसलिए स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि ना कहना सीखे। ना कहने वाला सोचता है कि ना कहने पर मेरा दूसरों से सम्बन्ध बिगड़ जाएगा लेकिन जैसा कि इस आलेख का विषय है, किसी का कुछ खाया हुआ या किसी से कुछ पाया हुआ होगा तो भी व्यक्ति ना नहीं कह पाता क्योंकि वो अहसान के नीचे दबा हुआ रहता है। एक अन्य दृष्टिकोण ये हो सकता है कि यदि हमें मदद की जरूरत है और अहसान हो जाने के डर से मदद नहीं ली तो फिर तो हमें ही नुकसान हो जाएगा। इस प्रश्न की संतुष्टि इस विचार से हो सकती है कि प्रेम, दोस्ती, सहायता, सहानुभूति ये सब अभौतिक और निराकार तत्व हैं। रिश्तों में खटास हो जाने पर भी इनका हिसाब-किताब नहीं हो सकता। किसी के घर में शोक हो जाने पर दुखी परिजन के पीठ पर हाथ रखकर सहानुभूति देने पर हम कालांतर में इस संवेदना की देयता नहीं माँग सकते। किसी प्यारे बच्चे के गाल को खींचकर हम प्यार जताने पर उसके युवा हो जाने पर इस वात्सल्य की क्षतिपूर्ति नहीं चाहेंगे। लेकिन संसार भौतिकतावादी है इसलिए भौतिक वस्तुएँ अधिक याद रहती है और उनकी आड़ में ताना मारना, नीचा दिखाना जल्द होता है और ये सब करने के लिए एक हथियार के रूप में काम आता है। कोई सौ रुपए भी किसी को देगा तो देने वाला महानता का और लेने वाला कृतज्ञता का अनुभव करने लगेगा, इस तथ्य के बावजूद भी कि आज के समय सौ रुपए की कोई खास कीमत नहीं है। क्या इस आलेख का आशय ये है कि कोई उपहार दे तो नहीं लेना चाहिए और दोस्त या रिश्तेदार या सहकर्मी या प्रेमी, सबसे सिर्फ ऊपर ऊपर से व्यवहार किया जाना चाहिए और निरपेक्ष बनकर रहना चाहिए? अगर ऐसा किया जाता है तो सामाजिक और भावनात्मक जीवन बहुत रंगहीन, रसहीन बनकर रह जाएगा क्योंकि मन सिर्फ गणना करने में व्यस्त हो जाएगा और भविष्य की आशंकाओं से भर जाएगा। हमारे सामाजिक ताने-बाने के आदर्श तो नेकी कर दरिया में डाल जैसी सूक्तियाँ रही हैं इसलिए किसी भी तरह के सम्बन्ध में उपहार देने या मदद करने वाले को इस सौहार्दपूर्ण करनी को भूल जाना चाहिए और ये सोचना चाहिए कि मेरी वजह से कोई प्रसन्न हुआ, यही मेरा प्रसाद है। एक सावधानी ये भी रखनी चाहिए कि कोई कुछ देकर अहसान जताए, ऐसा व्यक्ति अधमता का प्रतीक मानना चाहिए।

-अवतार सिंह अक्षरजीवी

अब दिल्ली को भी मिले इंद्रप्रस्थ नाम, सनातन परंपरा में गहराई से निहित

हाल में केरल का नाम बदलकर केरलम किए जाने के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का नाम इंद्रप्रस्थ करने की मांग ने नया उत्साह पैदा किया है। यह विचार पहले मुख्यतः राष्ट्रवादी विमर्श तक सीमित था। यह 2016 में पुराने पांडव किला में आयोजित प्रथम इंद्रप्रस्थ महोत्सव के दौरान व्यापक रूप से सार्वजनिक मंच पर सामने आया। इस कार्यक्रम का आयोजन द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट द्वारा किया गया था और इसे भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का समर्थन प्राप्त था। इसके बाद से यह विषय सार्वजनिक और राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनता रहा। राजधानी का प्राचीन नाम इंद्रप्रस्थ सनातन परंपरा में गहराई से निहित है और दिल्ली को राजा ढेलू की एक छोटी बस्ती से संबंधित माना जाता है।

संस्कृत में प्रस्थ का अर्थ समतल भूभाग (पठार) भी होता है। इस प्रकार इंद्रप्रस्थ केवल एक प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। यह नाम उस कालखंड का प्रतीक है जब सत्ता और न्याय का आधार धर्म हुआ करता था। भगवान श्रीकृष्ण ने इस क्षेत्र की प्राचीन पवित्रता को देखते हुए इसे पांडव राज्य की स्थापना के लिए चुना। महाभारत के अनुसार, युधिष्ठिर ने यमुना में स्नान कर राजसूय यज्ञ संपन्न किया और इंद्रप्रस्थ के चक्रवर्ती सम्राट बने। स्वामी दयानंद के शोध और राजस्थान के नाथद्वारा मंदिर के अभिलेखों के अनुसार सम्राट युधिष्ठिर से लेकर सम्राट यशपाल तक लगभग 124 आर्य शासकों ने यहां 4,157 वर्षों तक निरंतर शासन किया, जिसमें प्रत्येक का औसत शासनकाल लगभग 39 वर्ष रहा।

इतिहासकार हेनरी हार्डी कोल और एलेक्जेंडर कनिंघम ने भी इसे भारत की प्रारंभिक शहरी बसावटों में से एक माना है। महाभारत के सभा पर्व में वर्णित है कि इंद्रप्रस्थ एक सुयोजित नगर था, जहां समाज के सभी वर्गों की आवश्यकताओं का ध्यान रखा गया था। यह नगर काशी जैसे अन्य धार्मिक केंद्रों से व्यवस्थित सड़कों द्वारा जुड़ा था। बौद्ध परंपराओं में उल्लेख है कि बुद्ध का उस्तरा और सुई भी इंद्रपत्त (इंद्रप्रस्थ) में स्थापित किए गए थे, जो इसके व्यापक प्रभाव को दर्शाता है। इसके विपरीत दिल्ली नाम की उत्पत्ति लोककथाओं में राजा ढेलू से जोड़ी जाती है। कहा जाता है कि उन्होंने महरौली स्थित पवित्र विष्णुगिरि लौह स्तंभ (जो शासन की स्थिरता का प्रतीक था) की स्थिति को परखने का प्रयास किया।

इस प्रक्रिया में वास्तु के प्रतीक नागदेव को चोट पहुंची और स्तंभ की कील ढीली हो गई। इसी ढीली किल्ली से ढिल्लिका और कालांतर में दिल्ली शब्द निकला। विडंबना यह रही कि स्थिरता के प्रतीक से जुड़ी इस घटना ने एक ऐसे नाम को जन्म दिया, जो इतिहास में अस्थिरता और अशांति की गाथा बन गया।

जो भूमि पहले आध्यात्मिक, पूजनीय थी, वह धीरे-धीरे केव धन-संपन्न प्रदेश के रूप में देखी जाने लगी, जिससे विदेशी आक्रमणकारियों की गिद्ध दृष्टि इस पर पड़ी। मुहम्मद गोरी से लेकर नादिर शाह और अंग्रेजों तक दिल्ली बार-बार आक्रमणों, लूट और विनाश का केंद्र बनी। इन आक्रमणों का मुख्य उद्देश्य संपदा का दोहन और भारत की वैदिक ज्ञान परंपरा को खंडित करना था। यह स्थिति उस स्वर्णकाल से भिन्न थी, जब विदेशी यात्री यहां केवल ज्ञान प्राप्त करने और संवाद करने आते थे।

ब्रिटिश काल में जब राजधानी कलकत्ता से दिल्ली लाई गई, तब लुटियंस की दिल्ली के निर्माण में प्राचीन इंद्रप्रस्थ की नगर-योजना का अध्ययन तो किया गया, लेकिन इसी दौरान कई प्राचीन संरचनाओं को मलबे में दबा दिया गया। 1913 की अधिसूचना द्वारा इंद्रप्रस्थ की ऐतिहासिक सीमा को अत्यंत सीमित कर केवल पुराना किला तक समेट दिया गया। 1925-26 की पुरातत्व रिपोर्टों में यहां राजा भोज और राजा सोहनलाल के मंदिर-लेखों का मिलना इस क्षेत्र पर भारतीय शासकों के लंबे नियंत्रण की पुष्टि करता है। आज पुराना किला स्थित कुंती मंदिर, निगमबोध घाट का क्षेत्र (जहां युधिष्ठिर ने अश्वमेध यज्ञ किया था), नीली छतरी मंदिर और महरौली का योगमाया मंदिर इस प्राचीन गौरव के अंतिम जीवित प्रमाण हैं।

सनातन संस्कृति में नामकरण केवल पहचान नहीं, बल्कि एक संस्कार है। नाम ब्रह्मांडीय ऊर्जा, ध्वन्यात्मक कंपन और मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है। जहां पश्चिमी दृष्टिकोण कहता है कि 'नाम में क्या रखा है', वहीं भारतीय मनीषा मानती है कि नाम अस्मिता और नियति को आकार देता है। इंद्रप्रस्थ जैसा नाम संरक्षण और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, जो न्यायपूर्ण शासन की याद दिलाता है। इसके उलट किल्ली-ढिल्ली या दिल्ली जैसा नाम अपनी उत्पत्ति में ही शिथिलता का संकेत देता है।

आर्यावर्त की इस पवित्र भूमि का इंद्रप्रस्थ से दिल्ली में रूपांतरण एक गहरा सभ्यतागत क्षरण है, जिसे हिंसा और आंदोलनों की पृष्ठभूमि में भी देखा जा सकता है। इतिहास से सीख लेकर ही उस प्राचीन संतुलन को पुनः स्थापित किया जा सकता है। इंद्रप्रस्थ जैसे पवित्र तीर्थों का सार्वजनिक स्मृति में पुनर्जीवित होना आवश्यक है। इंद्रप्रस्थ की पुनर्स्थापना केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि भारत के विश्वगुरु काल की ओर बढ़ने का एक निर्णायक कदम होगा। इंद्रप्रस्थ की छत्रछाया में ही राष्ट्र अपनी वास्तविक समृद्धि और शांति को पुनः प्राप्त कर सकता है।

-धनंजय राजौरा

देवास में पेट्रोल पंपों पर ग्राहक के साथ खुली लूट

100 का पेट्रोल भी पूरा नहीं—अब टॉयलेट, पानी और हवा भी गायब

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पेट्रोल पंपों पर आम उपभोक्ताओं के साथ हो रही गड़बड़ियों ने अब खुली लूट का रूप ले लिया है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि 100 का पेट्रोल भरवाने पर भी उन्हें करीब 70 के बराबर ही ईंधन मिल रहा है। कम नाप देने का यह खेल अब आम होता जा रहा है और जिम्मेदारों की चुप्पी से हालात और बिगड़ते जा रहे हैं।

शहर के विभिन्न इलाकों के साथ-साथ बायपास स्थित पेट्रोल पंपों पर भी लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कर्मचारी मशीन को सही तरीके से सेट करने के बजाय नोजल (स्टिक) को बार-बार हिलाकर पेट्रोल भरते हैं, जिससे कम मात्रा देने की आशंका रहती है।

विरोध करने पर विवाद, मारपीट तक की नौबत- जब उपभोक्ता इस गड़बड़ी पर सवाल उठाते हैं, तो कई जगह कर्मचारियों द्वारा उनसे हुज्जत की जाती है। कुछ मामलों में अभद्रता और मारपीट तक की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे आम लोगों में नाराजगी के साथ डर का माहौल भी बन रहा है।

सुविधाओं के नाम पर शून्य– टॉयलेट, पानी और हवा भी नहीं पेट्रोल पंपों पर जहां एक ओर कम नाप का आरोप है, वहीं दूसरी ओर बुनियादी सुविधाओं की भी भारी कमी देखने को मिल रही है। शहर के अधिकांश पंपों पर न तो स्वच्छ टॉयलेट की व्यवस्था है, न ही पीने के लिए शुद्ध पानी उपलब्ध है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि फ्री एयर यानी टायर में हवा भरने की सुविधा भी कई पंपों पर या तो बंद पड़ी है या उपलब्ध ही नहीं है। यह सीधे तौर पर उपभोक्ता अधिकारों का हनन माना जा रहा है।

कंपनियों की निगरानी पर उठे सवाल- लगातार सामने आ रही इन शिकायतों के बावजूद तेल कंपनियों और जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी जांच और कार्रवाई नहीं हो रही है। सवाल उठ रहा है कि आखिर कंपनियां अपने ही पेट्रोल पंपों की नियमित जांच क्यों नहीं कर रही हैं और उपभोक्ताओं को मिलने वाली सुविधाओं की निगरानी क्यों नहीं की जा रही।

आम उपभोक्ता की कलेक्टर से मांग - देवास में पेट्रोल पंपों पर कम नाप, बदसलूकी और बुनियादी सुविधाओं की कमी ने उपभोक्ताओं की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। यह स्थिति न सिर्फ आम जनता की जेब पर असर डाल रही है, बल्कि उनके अधिकारों का भी सीधा हनन है। अब जरूरत है कि जिम्मेदार अधिकारी और कंपनियां तुरंत संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई करें, ताकि इस खुली लूट पर लगाम लग सके।

नए शहर काजी के खिलाफ लगाए मुर्दाबाद के नारे

डीजे का विरोध करने पर जताई नाराजगी, पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के कसेरा बाजार में शनिवार सुबह करीब 11 बजे नवनियुक्त शहर काजी के सम्मान समारोह के दौरान समाज के एक गुट ने विरोध किया। बड़ी संख्या में लोग शहर काजी के विरोध में नारेबाजी करते हुए मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे। इस दौरान कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई।

सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष सिंह वाघेला ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने भीड़ को वहां से हटाया और समाज के वरिष्ठ लोगों ने भी समझाइश देकर मामले को शांत कराया।

यह विरोध नवनियुक्त शहर काजी रहमतुल्लाह के सम्मान समारोह के दौरान हुआ था। शहर काजी मोहसिन उल्ला ने ईदगाह पर नमाज अदा करने के बाद नायब काजी रहमतुल्लाह को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर शहर काजी नियुक्त किया था।

इसलिए किया विरोध- बताया जाता है कि यह विरोध एक विवाह समारोह से जुड़ा है। जहां काजी रहमतुल्लाह ने डीजे बजाने का विरोध करते हुए एक निकाह पढ़ाने से इनकार कर दिया था और वहां से चले गए थे। जिससे समाजजन नाराज हो गए थे। इसी घटना को लेकर समाज के एक गुट ने सम्मान समारोह में अपना विरोध दर्ज कराया।

झगड़े के बाद पत्नी ने ही ले ली पति की जान

मक्सी पुलिस ने 24 घंटे में किया अंधे कत्ल का पर्दाफाश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी पुलिस ने गुरूवार को मिली लाश के मामले का खुलासा कर दिया है। उक्त व्यक्ति की हत्या और किसी ने नही बल्कि उसकी पत्नी ने ही की थी जो अपने पति की शराब पीने व झगड़ा करने की आदत से परेशान थी। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार 19 मार्च को मक्सी पुलिस को सूचना मिली थी कि राकेश पिता रामप्रसाद कुंभकार निवासी झोंकर रोड मक्सी के साथ किसी अज्ञात ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया था। जिसकी इंदौर में उचार के दौरान मौत हो गई थी। इस पर मक्सी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध हत्या का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था और आरोपी की तलाश के लिए एसपी यशपालसिंह राजपूत के निर्देशन में तथा एएसपी घनश्याम मालवीय, एसडीओपी अजयकुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये तत्काल पुलिस टीम का गठन कर उनि अरविंद सिंह तोमर को मय टीम को विवेचना में रवाना किया गया। जिसने साक्ष्य जुटाए और मामले की जांच शुरू की।

इसलिए की थी हत्या- पुलिस को पूछताछ में पता चला कि मृतक राकेश कुंभकार महावीर ब्रिक्स कंपनी में काम करता था एवं कंपनी द्वारा दिये गये कमरे में अपनी पत्नि आरती के साथ रहता था। राकेश शराब पीता था एवं उसके पत्नि से आये दिन लडाई झगडे होते थे। जिस कारण उसकी पत्नि ने गुस्से में आकर 18 मार्च की रात में सोते समय अपने पति राकेश के सिर में पेवर ब्लीक एवं पेट में चाकू मार कर हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस ने उसकी पत्नि आरती को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त सीमेंट का पेवर ब्लाक एवं एक चाकू जप्त कर लिया।

अमन की दुआ के साथ संपन्न हुआ ईद का त्यौहार

रहमत उल्ला साहब को सौंपा काजी का दायित्व, समाजजनों ने दी शुभकामनाएं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रमजान के पवित्र महीने के बाद शनिवार को ईद-उल-फितर का त्यौहार हर्षोल्लास, भाईचारे और शांति के साथ मनाया गया। गिरवर स्थित ईदगाह मस्जिद में प्रातः 8.45 पर प्रमुख नमाज अदा की गई। जहां हजारों की संख्या में लोग खुदा के दर पर सजदा करने पहुंचे। वहीं नये शहर काजी की भी घोषणा की गई। काजी का दायित्व जनाब रेहमत उल्ला साहब को सौंपा गया है।

अंजुमन कमेटी ने शहर काजी, प्रशासन और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए विशेष योगदान देने वाले हिन्दू समाज के गणमान्यजनों का अभिनंदन कर उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान जहां हर ओर जश्न का माहौल रहा। ईद की नमाज हाफिज जनाब गफ्फार साहब ने पढ़ाई और मुल्क में एकता, शांति की दुआ मांगी। खुतबा काजी जनाब रेहमत उल्ला ने पढ़ा और सरपरस्त काजी मोहसिन उल्ला ने उत्तराधिकारी नायब काजी को अपना दायित्व सौंपा, जिसकी ताइद अंजुमन कमेटी के सदर हाजी नईम कुरैशी सहित समाज के प्रमुख लोगों ने की। उसके बाद लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर पर्व की बधाई दी। ईदगाह मार्ग पर अंजुमन कमेटी की और से काजी जनाब एहसान उल्ला, काजी जनाब रेहमत उल्ला, काजी मोहसिन उल्ला, एसडीएम मनीषा वासकले, एडिशनल एसपी घनश्याम मालवीय, डीएसपी अजयकुमार मिश्रा, कोतवाली टीआई संतोष बाघेला, समाजसेवी राजेश पारछे, सीताराम पवैया, विलेस व्यास का कमेटी के सदर हाजी नईम कुरैशी, खजांची हाजी इब्राहिम पठान, नायब सदर हाजी गफ्फार मंसूरी, सचिव सरदार मूसा आजम खांन, सैयद साजिद अली, जुनैद मंसूरी, हाजी हबीब कुरैशी आदि कमेटी के लोगों ने किया।

बाजारों में दिखी रौनक- ईद पर बाजारों में खासी रौनक रही और लोगों ने पारंपरिक पोशाक पहनी। विशेष पकवानों का लुत्फ उठाया। भाईचारा के साथ लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक कहा और आपसी प्रेम का संदेश दिया। घरों में सेवइयां, खीर और बिरयानी जैसे पारंपरिक व्यंजन बनाए गए। वहीं नमाज से पहले गरीबों को सदका ए फितर या फितराना दिया गया, ताकि वे भी ईद की खुशियों में शामिल हो सकें। पूरे नगर में उत्साह का माहौल देखा गया, जहां बच्चों को ईदी मिली और लोग सगे-संबंधियों से मिले।

कलेक्टर ने की किसानों से नरवाई नहीं जलाने की अपील

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री बालागुरु के. द्वारा सीहोर जिले में खेतों में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। जारी आदेशानुसार फसल कटाई के बाद अगली फसल की तैयारी के लिए कुछ किसानों द्वारा खेतों में आग लगाकर नरवाई नष्ट की जाती है, जिससे हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही इससे मिट्टी की उर्वरता भी कम होती है, सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, जनसंपत्ति और प्राकृतिक वनस्पति को नुकसान पहुंचता है तथा आगजनी की घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। जिले में रोटावेटर जैसे वैकल्पिक साधन उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग कर खेत साफ किए जा सकते हैं। आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। जारी आदेशानुसार नरवाई जलाने पर पर्यावरणीय क्षति की भरपाई के लिए जुर्माने का प्रावधान भी किया गया है, जिसके तहत 02 एकड़ से कम भूमि वाले कृषकों पर 2500 रुपये प्रति घटना, 02 से 05 एकड़ तक भूमि वाले कृषकों पर 5000 रुपये प्रति घटना और 05 एकड़ से अधिक भूमि वाले कृषकों पर 15000 रुपये प्रति घटना पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में वसूले जाएंगे। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने किसानों से अपील की है कि पर्यावरण संरक्षण एवं जनहित को दृष्टिगत रखते हुए नरवाई न जलाएं और नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाएं।

पारछे प्रदेशाध्यक्ष बने

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायत में संस्थापक व राष्ट्रीय महासचिव चैधरी सुरेंद्र कुमार लोहट ने नगर के नवीन पारछे को वाल्मिकी महापंचायत का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री पारछे के प्रदेशाध्यक्ष बनने पर समाजजनों व ईष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

डीपी से निकली आग की चिंगारी, प्राचीन बावड़ी में लगी आग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जैसे-जैसे गर्मी का पारा बढ़ रहा है आगजनी की घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है। शनिवार शाम को भी मां राजराजेश्वरी मंदिर परिसर स्थित प्राचीन बावड़ी में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। सूचना मिलने पर पहुंची फायर बिगेड ने आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना शनिवार शाम करीब 5 बजे की है। जब बावड़ी के पास स्थित डीपी में अचानक आग लग गई जिसकी लपटें बावड़ी तक पहुंच गई। जिससे वहां से आग की लपटें उठने लगी। यह देख वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। क्योंकि इन दिनों परिसर में मेला लगा हुआ है जहां बड़ी संख्या में स्थानीय व बाहर के व्यापारियों ने अपनी दुकाने लगाई हैं। यदि आग ज्यादा फैल जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। लेकिन सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। जिससे बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई।

साधनों से नहीं, साधना से मिलता है सच्चा सुख - संत शारदा देवी

ग्राम डेहरी में आयोजित रात्रि कालीन सत्संग समारोह में श्रीसतपाल जी महाराज की शिष्या ने दिया आध्यात्मिक संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यह सत्य है कि शाश्वत सुख साधन में नहीं, साधना में है, वासना में नहीं,उपासना में है,भोग में नहीं योग में है। विषय भोगों और भौतिक साधनों से यदि शाश्वत सुख की प्राप्ति हो सकती तो भौतिक सुख साधनों से संपन्न लोग कभी दुखी नहीं होते, हताश निराश नहीं होते, अशांत नहीं होते और साधन विहीन अथवा न्यूनतम भौतिक साधनों में भी संत, फकीर, योगी साधक आदि आनंदित नहीं होते। पर ऐसा है नहीं। जहां प्रचुर भौतिक सुख सुविधाओं के होते हुए भी लोग अशांत और निराश रहते हैं, वहीं भौतिक साधनों के होने या ना होने पर भी, भौतिक साधनों की प्रचुरता या अभाव में भी, संत, फकीर, साधक आदि सदा मस्त, अलमस्त और आनंदित रहते हैं। आखिर उनकी इस अलमस्ती का कारण क्या है ? ऐसा इसलिए है कि भौतिक साधनों से भौतिक सुख, इंद्रिय सुख तो प्राप्त की जा सकते हैं, पर शाश्वत सुख और आत्मिक आनंद नहीं। आत्मिक आनंद तो आत्मा से ही निस्सृत हो सकता है। ब्रह्मानंद की प्राप्ति तो ब्रह्म से जुड़कर ही हो सकती है, उससे विलग और दूर रहकर नहीं। जैसे हिमालय से निकली या जुड़ी हुई नदियां सदा शीतल जल से भरी पूरी रहती है, वैसे ही साधक की आत्मा जब योग,जप, तप आदि विभिन्न आध्यात्मिक साधनाओं के द्वारा ब्रह्म से जुड़कर, मिलकर एकाकार हो जाती है, तब सत-चित -आनंद स्वरूप ब्रह्म का आनंद साधक के अंतस में, आत्मा में स्वयं ही उतर आता है।

यह आध्यात्मिक संदेश ग्राम डेहरी में मानव उत्थान सेवा समिति के सक्रिय प्रचारक समाज सेवी धनसिंह भूसारिया की स्व. मां श्यामू बाई की स्मृति में आयोजित रात्रि कालीन सत्संग समारोह में श्री सतपाल जी महाराज की शिष्या शारदाबाई जी ने व्यक्त किये। साध्वी जी ने भजन- तूने हीरा सा जनम गवायां,भजन बिना बावरे..... प्रस्तुत करते हुवे कहा भौतिक सुख, इंद्रियजन्य सुख,भोगजन्य सुख से व्यक्ति कभी तृप्त नहीं होता और आध्यात्मिक सुख,शाश्वत सुख, आत्मिक आनंद प्रकार साधक कभी अतृप्त नहीं रहता। उपस्थित अध्यात्म प्रेमियों को संबोधित करते हुए साध्वी जी ने कहा शाश्वत सुख के स्रोत परब्रह्म परमेश्वर से जुड़ जाने के बाद हम हमेशा सुखी रहते हैं और उस स्रोत से दूर रहकर हम दुखी और अशांत रहते हैं। इसलिए विविध योग शास्त्रों में ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग, ध्यानयोग, राजयोग, हठयोग, मंत्रयोग आदि किसी भी मार्ग का अवलंबन पाकर ईश्वर से, पर ब्रह्म परमेश्वर से, शाश्वत सुख के स्रोत से स्वयं को जोड़ने की, आत्मा के परमात्मा से मिलन की, एकाकार होने की बातें कही गई है। साथ ही यह भी कहा गया है कि आत्मज्ञानी व्यक्ति भौतिक एवं आध्यात्मिक, दोनों प्रकार के सुख प्राप्त करने में सफल होता है, क्योंकि भौतिक सुख साधनों के होते हुए भी वह उनसे सर्वदा अनासक्त रहता है। हम क्यों न समय रहते परम आनंद की प्राप्ति हेतु योगमार्ग, अध्यात्म मार्ग पर चल पड़ें, क्योंकि कल को किसने देखा है ? आज हमारे हाथ में है, अवश्य है, पर कल तो काल के हाथ में है, जिस पर हमारा अधिकार नहीं। इस मौके पर उपस्थित सेविका सरिता बहन ने भी ज्ञान-भक्ति वैराग्य से ओतप्रोत आत्म कल्याणकारी मधुर भजन प्रस्तुत किए। विश्व शांति की प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

युवती से की छेड़छाड़, पुलिस ने किया मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थाना क्षेत्र में एक युवती से छेड़छाड़ और नहाते समय उसकी अश्लील फोटो लेने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने महिला थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। महिला थाने से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पंकज पिता मदनलाल बरगुंडा निवासी ग्राम गिरवर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74, 77, 78(2) और 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी ने उसे नहाते समय देखने की कोशिश की, उसके साथ छेड़छाड़ की और जान से मारने की धमकी भी दी। यह घटना 19 मार्च को हुई थी। घटना के बाद युवती ने हिम्मत दिखाते हुए महिला थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई। महिला थाना प्रभारी आशा सोलंकी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश जारी है जिसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

स्वर्णकार समाज महिला संगठन ने निकाली शोभायात्रा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज महिला संगठन ने गणगौर पर्व के उपलक्ष्य में शोभायात्रा निकाली। शाम 5 बजे शुरू हुई इस यात्रा में समाज की महिलाओं और युवतियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला संगठन की नगर अध्यक्ष नीता शिवाजी सोनी ने बताया कि वरिष्ठ संरक्षकों के मार्गदर्शन में यह पर्व हर साल की तरह इस बार भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। शोभायात्रा वजीरपुरा स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। रास्ते में जगह-जगह समाज के वरिष्ठजनों, नगर समिति, युवा संगठन और जिला संगठन के पदाधिकारियों ने यात्रा का आत्मीय स्वागत किया। शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई यह शोभायात्रा धान मंडी स्थित श्री ओंकारेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। यहां महिलाओं ने भगवान महादेव की विशेष पूजा-अर्चना की।

शासकीय छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, इस वर्ष पूरी तरह होगी ऑनलाइन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शासकीय छात्रावासों में वर्ष 2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस वर्ष विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। इसके लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से विशेष ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है।

संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि प्रदेश में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका एवं बालक छात्रावासों में विशेष रूप से वंचित वर्ग के बालक-बालिकाओं को उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पारदर्शी ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली प्रारंभ की गई है।

संचालक श्री सिंह ने बताया कि ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली एक समेकित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया, सीट आवंटन, अभिलेख संधारण और प्रशासनिक कार्यों को ऑनलाइन एवं पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए विकसित किया गया है।

ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) टाइप-ढ्ढ एवं टाइप-III तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस (एनएससीबी) बालक/बालिका छात्रावासों के पारदर्शी प्रबंधन और उनमें प्रवेश की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

छात्रावासों में कक्षा 6वीं एवं अन्य कक्षाओं की रिक?त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थी प्रथम चरण में 30 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रथम चरण के बाद सीट्स रिक्त रहने की स्थिति में द्वितीय चरण के आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। यह 06 अप्रैल 2026 से 10 जून 2026 तक चलेगी।

छात्रावास में प्रवेश के लिए अभिभावकों, विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह आवेदन एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेन्टर के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट https://educationportalx.in पर जाकर करना होगा। इसके साथ ही यदि किसी अभिभावक/पालक/विद्यार्थी को आवेदन फॉर्म भरने में किसी प्रकार की समस्या आती है, तो वे संबंधित वार्डन के सहयोग से भी आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

छात्रावासों में लक्ष्य के अनुसार 50, 100, 150, 175, 200, 220 तथा 275 सीटें उपलब्ध हैं। कक्षा 6 से 8 तक की बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (टाइप-ढ्ढ) एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावासों में प्रवेश दिया जाता है। वहीं कक्षा 6 से 12 तक की बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (टाइप-III) में प्रवेश की पात्रता होती है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्रावास की मार्गदर्शिका के अनुसार 75 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं के लिए निर्धारित हैं, जबकि 25 प्रतिशत सीटें गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) जीवन-यापन करने वाले परिवारों की बालिकाओं के लिए आरक्षित हैं। इनमें अस्थि बाधित, अनाथ एवं बेसहारा बालिकाओं को चयन में प्राथमिकता दी जाती है।

प्रदेश में संचालित 66 नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावासों में कक्षा 3 से 8 तक के पात्र बालकों को प्रवेश दिया जाता है। ये छात्रावास विशेष रूप से शाला अप्रवेशी एवं शाला त्यागी बालकों के लिए संचालित किए जाते हैं। ऐसे बालकों को उनकी आयु के अनुरूप कक्षा में दर्ज कर विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से आवश्यक दक्षताएं विकसित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाता है।

छात्रावासों में विशेष रूप से ऐसे बच्चों को प्रवेश दिया जाता है, जो रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड के प्लेटफॉर्म पर रहने वाले, पन्नी बीनने वाले, पलायन करने वाले परिवारों के बच्चे, घर से भटके हुए बच्चे, विमुक्त (डिनोटीफाइड ट्राइब्स) एवं प्रिमिटिव ट्राइबल परिवारों के बच्चे और वन ग्राम पट्टाधारी परिवारों के बच्चों को आवासीय सुविधाएं प्रदान कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण कराई जाती है।

प्रदेश में 597 छात्रावास हैं संचालित- राज्य शिक्षा केंद्र अंतर्गत प्रदेश में कुल 597 छात्रावास संचालित है।

जिले की 14-15 वर्ष आयु वर्ग की शत-प्रतिशत बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले में 14-15 वर्ष आयु की बालिकाओं के शत-प्रतिशत एचपीवी टीकाकरण के लिए निर्देश जारी कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों दायित्व सौंपे हैं। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि जिले की कोई भी पात्र बालिका एचपीवी टीकाकरण से वंचित न रहे। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा है कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) संक्रमण से होने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए यह टीकाकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है और समय पर वैक्सीनेशन से बालिकाओं को भविष्य मे होने वाली गंभीर बीमारी से बचाया जा सकता है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए हैं कि स्वास्थ्य विभाग इस अभियान का नोडल विभाग रहेगा और सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर टीकाकरण कार्यक्रम का संचालन करेगा। महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से 14-15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं की सूची तैयार करने तथा अभिभावकों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग को विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की जानकारी उपलब्ध कराने और टीकाकरण के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता गतिविधियां संचालित करने और पात्र बालिकाओं की पहचान में सहयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि सभी विभाग अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करें और टीकाकरण की प्रगति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराएं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिले में एचपीवी टीकाकरण का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा किया जाए, ताकि बालिकाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अकोदिया में मनाई गई ईद, रमजान के बाद ईदगाह पर अदा की गई नमाज, पुलिस रही मौजूद

पार्षद राजू फरूट, ने सभी को दी मुबारकबाद नगर में बने रहे, अमन चैन के लिए दुआएं की

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया में शुक्रवार को चांद दिखने के बाद शनिवार को ईद मनाई गई। रमजान के 30 रोजे पूरे होने के उपलक्ष्य में संजय कॉलोनी स्थित ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे, ईद की नमाज अदा करने पहुंचे। उस्मान अली साहब ने ईदगाह पर नमाज पढ़ाई।

नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बड़ों के साथ-साथ बच्चे भी नए-नए कपड़े पहनकर ईदगाह पहुंचे और खुशी-खुशी एक-दूसरे को बधाई दी।

ईद मुस्लिम समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो भाईचारे और खुशी का संदेश देता है। अलीम साहब ने इसे खुशी का दिन और खुशी का त्योहार बताया। इस अवसर पर लोगों ने अल्लाह से अमन, शांति और खुशहाली की दुआ की। उन्होंने कहा, अल्लाह हमें एक-दूसरे के साथ प्यार और भाईचारे के साथ रहने की ताकत दे।

सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत, नायब तहसीलदार और अन्य पुलिसकर्मी ईदगाह पर मौजूद रहे। नमाज के बाद लोगों ने अपने घरों में भी ईद का जश्न मनाया और परिवार तथा दोस्तों के साथ शुभकामनाएं साझा कीं। शहर कांग्रेस अध्यक्ष शैलेंद्र सिकरवार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इंदर सिंह परमार बाबा महेश कंचन मुकेश खत्री सभी ने मुस्लिम भाइयों को मुबारकबाद दी।

पुलिस अधीक्षक का थाना बड़ावदा निरीक्षण

कानून व्यवस्था एवं गंभीर अपराधों की विवेचना की समीक्षा

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार द्वारा आज जावरा ग्रामीण अनुभाग अंतर्गत थाना बड़ावदा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी जावरा ग्रामीण श्री संदीप मालवीय एवं थाना प्रभारी बड़ावदा प्रशिक्षु आईपीएस श्री वैभव प्रिय उपस्थित रहे निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना क्षेत्र की कानून व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही क्षेत्र में घटित गंभीर अपराधों की विवेचना की प्रगति का परीक्षण करते हुए संबंधित प्रकरणों में शीघ्र एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारियों एवं विवेचकों को निर्देशित किया गया कि गंभीर अपराधों की विवेचना प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण की जाए तकनीकी साक्ष्यों एवं वैज्ञानिक तरीकों का अधिकतम उपयोग किया जाए फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जाए।इसके अतिरिक्त थाना स्तर पर अभिलेख संधारण, अपराध पंजी, लंबित अपराधों की स्थिति एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सतत निगरानी रखने तथा आमजन से संवाद बढ़ाने पर भी बल दिया। रतलाम पुलिस द्वारा प्रभावी पुलिसिंग के माध्यम से अपराधों पर नियंत्रण एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान : ग्राम भाजीपानी में जन जागरूकता कार्यक्रम के साथ किया गया तालाब में श्रमदान कार्य

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज श्रमदान एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड छिंदवाड़ा की नवांकुर संस्था सेवा संकल्प वेलफेयर सोसायटी सेक्टर क्रमांक 4 द्वारा ग्राम भाजीपानी में जिला कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार तथा जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर सेवा संकल्प सोसाइटी के अध्यक्ष श्री चन्द्रकान्त विश्वकर्मा, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री राजेश मालवीय, सचिव श्री अंकलेश शर्मा, परामर्शदाता एवं समाजसेवी श्री श्यामल राव और श्री आशीष साहू सहित सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं तथा ग्रामीणजनों की सहभागिता से गायत्री गौशाला के समीप नवनिर्मित तालाब में श्रमदान किया गया। श्रमदान के दौरान तालाब के बांध में बोल्डर और पत्थर जमाकर पिचिंग का कार्य किया गया।

श्रमदान के उपरांत आयोजित जल संवाद में परामर्शदाता श्री श्यामल राव ने बताया कि इस तालाब के बनने से गौशाला में पल रहे गायों को पीने का पानी उपलब्ध होगा तथा बरसात के समय जल का अधिक भराव होने से ग्राम का जल स्तर भी बढ़ेगा। समाजसेवी श्री चन्द्रकान्त विश्वकर्मा ने कहा कि वर्तमान में भीषण पेयजल समस्याओं से निजात पाने के लिए ग्रामीणजनों को इस बन रहे तालाब का संरक्षण करना होगा और बरसात के पानी से इसका अधिक भराव सुनिश्चित करना होगा। साथ ही तालाब के आसपास अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने पर भी जोर दिया गया, जिससे भू-संरक्षण के साथ जल संरक्षण भी हो सके।

उद्बोधन के बाद उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

सचिन मौर्य बने राजगढ़ नगर मंडल अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त कर दी बधाई वरिष्ठ जनों का आभार

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिला में भारतीय जनता पार्टी ने राजगढ़ नगर मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है पिछले कई सालों से पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता सचिन मौर्य को पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ता रुप मे कार्य करने वाले श्रीमौर्य को नगर मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया गया है या उनके यार दोस्त मित्र ने जगह-जगह आतिशबाजी का खुशी जाहिर कर वरिष्ठ जनों का आभार व्यक्त किया गौरतलब है कि सचिन मौर्य कि पूरे राजगढ़ जिले में युवाओं के बीच में एक अच्छी पकड़ है वह राजगढ़ नगर मंडल में समय-समय पर पार्टी के लिए समर्पित कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं निस्वार्थ भाव से पार्टी के प्रति कार्य करते हैं उनकी एक पीढ़ी पार्टी से जुड़ी हुई है साथ ही राजनीतिक क्षेत्र में उनकी अच्छी खासी पकड़ भी मानी जाती है श्री मौर्य की लोकप्रियता के चलते हुए उन्हें राजगढ़ नगर मंडल का दायित्व सोपा गया है राजगढ़ नगर पालिका में पार्षद के लिए टिकट दिया था जहां श्री मौर्य ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर रिकॉर्ड बनाया था।

मौर्य बने मंडल अध्यक्ष मंत्री सांसद विधायक ने दी बधाई - राजगढ़ नगर मंडल के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष सचिन मौर्य के मंडल अध्यक्ष बनते हैं राजगढ़ जिला के तीन विधायक दो मंत्री वी एक सांसद जिला अध्यक्ष सहित अनेक भाजपाइयों ने श्री मौर्य को मंडल अध्यक्ष बनने पर टेलीविजन के माध्यम से बधाई दी है कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष का स्वागत भी किया है।

पार्टी के विश्वास पर खरा उतरना मेरी पहली प्राथमिकता मौर्य - राजगढ़ नगर मंडल के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष सचिन मौर्य ने बताया कि मंडल क्षेत्र में पार्टी हित के लिए कार्य करूंगा पार्टी के हर प्रत्याशी हर चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करें इसके लिए कार्य करूंगा कार्यकर्ताओं का निर्माण हो केंद्र व प्रदेश सरकार की योजना जन-जन तक पहुंचे पार्टी की भलाई के लिए कार्य करूंगा यही मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी पार्टी ने मेरे ऊपर जो विश्वास जताया है इसके लिए मैं सभी वरिष्ठ जनों का आभार व्यक्त करता हूं।

आपूर्ति विभाग की टीम द्वारा नाहर एलाइड गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती गंगा कुमरे, एचपी गैस के सेल्स ऑफिसर श्री अभिजीत सूर्यवंशी एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी शहरी श्री राघवेन्द्र सिंह लिल्हारे द्वारा संयुक्त रूप से आज प्रातः 7-30 बजे खजरी रोड स्थित नाहर एलाइड गैस एजेंसी के गोदाम का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान एजेंसी संचालक को निर्देशित किया गया कि पंजीकृत उपभोक्ताओं को गैस रिफिल की होम डिलीवरी बुकिंग क्रम के आधार पर ही सुनिश्चित की जाए, अर्थात जिन उपभोक्ताओं की बुकिंग पहले हुई है, उन्हें प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ ही एजेंसी के डिलीवरी वाहनों का चंदनगांव, पटेल मंगल भवन एवं मोहन नगर क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि कर्मचारियों द्वारा गैस रिफिल की होम डिलीवरी की जा रही है। मौके पर डिलीवरी वाहन कर्मचारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि वे उपभोक्ताओं को नियमानुसार बुकिंग क्रम के आधार पर ही गैस रिफिल उपलब्ध कराएं। साथ ही उपभोक्ताओं द्वारा गैस रिफिल के लिए निर्धारित शुल्क कैश मेमो के अनुसार ही भुगतान किया जाना सुनिश्चित करने की बात भी कही गई।

नीमच में 40 करोड़ का CM राइज स्कूल प्रोजेक्ट अटका, 4 साल बाद भी नहीं हुआ भूमि पूजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच में शिक्षा के क्षेत्र की महत्वाकांक्षी योजना CM राइज स्कूल (सांदीपनि विद्यालय) का निर्माण कार्य 4 साल बाद भी शुरू नहीं हो सका है। करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस आधुनिक स्कूल भवन का अब तक भूमि पूजन तक नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

पालक संघ जिला इकाई ने इस देरी के लिए जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की उदासीनता और लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। संघ का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को निजी स्कूलों जैसी बेहतर सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना था, लेकिन लंबे समय से यह योजना कागजों में ही अटकी हुई है।

जानकारी के अनुसार, नवंबर 2025 में प्रशासन और संबंधित अधिकारियों द्वारा शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 परिसर को नए निर्माण स्थल के रूप में अंतिम रूप दिया गया था। स्थल का प्लान तैयार कर राज्य शिक्षा विभाग को अनुमोदन के लिए भेजा गया, जो अब तक लंबित है।

विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, अब राज्य स्तर पर टेंडर प्रक्रिया दोबारा शुरू करने की तैयारी की जा रही है, जिससे निर्माण कार्य में करीब 3 साल और देरी हो सकती है। जबकि पहले से स्वीकृत ठेकेदार पुराने दरों पर ही निर्माण करने को तैयार है। ऐसे में नई टेंडर प्रक्रिया शुरू करने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस देरी का सीधा असर करीब 800 छात्रों पर पड़ रहा है, जिन्हें आधुनिक सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित होना पड़ रहा है। वर्तमान में CM राइज स्कूल अस्थायी रूप से कन्या शाला में संचालित हो रहा है, जहां कक्षाओं की कमी के कारण अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई भी सुचारू रूप से नहीं हो पा रही है।

सुविधाओं के अभाव में कई पालकों को मजबूरी में अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

पालक महासंघ के जिलाध्यक्ष जगदीश शर्मा ने प्रेस नोट जारी कर चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही योजना को मंजूरी देकर निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो पालक संघ जिलेभर के अभिभावकों के साथ मिलकर क्रमिक हड़ताल करने को मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

पालक संघ ने शासन से मांग की है कि योजना को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द अनुमोदन जारी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाए, ताकि जिले के बच्चों को बेहतर और सस्ती शिक्षा का लाभ मिल सके।

बड़ावदा नगर में गणगौर के त्योहार पर निकली शोभायात्रा

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा नगर में शनिवार को गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं और युवतियों ने भगवान शिव (ईसर) और माता पार्वती (गणगौर) की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की । दिनभर शहर का माहौल भक्ति और परंपरा के रंग में रंगा रहा। महिलाओं ने ईसर गणगौर की प्रतिमाओं का श्रृंगार किया पुष्प, सुबह से ही महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में तैयार होकर ईसर गणगौर की प्रतिमाओं का श्रृंगार किया। उन्होंने जल,रोली और मेहंदी अर्पित कर विधि-विधान से पूजा संपन्न की। जहां महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीत गाए और भजन-कीर्तन किए। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। यही कारण है कि इस पर्व को सौभाग्य और दांपत्य सुख का प्रतीक माना जाता है। इस दिन पूजा करने से अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस मौके पर युवतियों ने अच्छे वर की कामना की, जबकि विवाहित महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र और परिवार की खशहाली के लिए व्रत रखा। महिलाओं ने शाम को बड़ावदा नगर में ईसर गणगौर की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के मुख्य बाजार से होकर गुजरी, जिसमें सजी-धजी प्रतिमाएं, सिर पर कलश लेकर चलती महिलाएं और पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालु आकर्षण का केंद्र रहे। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया,जिससे भक्तिमय माहौल में डूब गया। ढोल-नगाड़ों और लोकगीतों की गूंज ने इस आयोजन को और भी उल्लासपूर्ण बना दिया।

सीएम डॉ. मोहन यादव से मिले नीमच के युवा समाजसेवी अरूल अशोक अरोरा गंगानगर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नीमच के युवा समाजसेवी अरूल–अशोक अरोरा गंगानगर ने शनिवार को सौजन्य भेंट की है। जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाग लिया। राजस्थान के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश करने एवं उद्योग स्थापित करने के लिए सीएम ने इन्वेस्टमीट को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में नीमच के युवा समाजसेवी अरूल अरोरा गंगानगर ने भी हिस्सा लिया। यह कार्रवाई आईटीसी राजपूताना होटल जयपुर में आयोजित हुआ था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया गया और चर्चा की गई।

मध्यप्रदेश सरकार उद्योगों को बढावा दे रही है- राजस्थान के जयपुर में आयोजित इन्वेस्ट मीट में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में सरकार उद्योगों को बढावा दे रही है। राजस्थान के उद्योगपति मध्यप्रदेश में किसी भी प्रकार का उद्योग स्थापित करना चाहते है तो सरकार हर तरह उनकी मदद करेगी। जगह से लेकर अन्य सुविधाएं मुहैय्या करवाएगी।

जिले में विकास की नई सौगातः मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अलग-अलग स्थानों पर किया विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को छिंदवाड़ा जिले के प्रवास के दौरान विभिन्न स्थानों पर विकास कार्यों का भूमिपूजन कर जिलेवासियों को महत्वपूर्ण सौगात दी। मंत्री श्री पटेल द्वारा छिंदवाड़ा में जनपद पंचायत छिंदवाड़ा के ÷अटल सुशासन भवन (जनपद पंचायत भवन)÷ का, तहसील बिछुआ में जनपद पंचायत भवन बिछुआ तथा चौरई में जनपद पंचायत भवन चौरई का भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत संपन्न किया गया। इसके साथ ही चौरई विधानसभा क्षेत्र की 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवनों के निर्माण हेतु भी भूमिपूजन किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य कर रही है। भवन निर्माण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना समय की आवश्यकता है। इसके लिए पंचायतों की आय बढ़ाने, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में अभी तक पंचायत भवन उपलब्ध नहीं हैं, वहां शासन द्वारा सर्वे कर प्राथमिकता के आधार पर भवन निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही पंचायत स्तर पर बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था विकसित करने की दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 : छिंदवाड़ा में स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर व चैंपियन नियुक्त

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष भी स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं स्वच्छता चैंपियन नियुक्त किए गए हैं। नगर निगम छिंदवाड़ा महापौर श्री विक्रम अहके एवं नगर निगम आयुक्त श्री सी.पी.राय के मार्गदर्शन में स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों को ध्यान में रखते हुए इनका चयन किया गया। शहर में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और जनसहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के रूप में श्री दीपकराज जैन, श्री बादल भारद्वाज एवं सुश्री विनीता नेटी को नियुक्त किया गया है।

भव्य समारोह में बाउंड्रीवॉल व मुख्य द्वार का लोकार्पण, विधायक ने दी 15 लाख की सौगात

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के श्री मारु ओदीच्य जोधपुरा ब्राह्मण समाज द्वारा वार्ड क्रमांक 1 स्थित श्री जमुनिया बालाजी रोड पर निर्मित बाउंड्रीवॉल एवं मुख्य द्वार का भव्य समाजर्पण समारोह उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार रहे, जिनके करकमलों से लोकार्पण किया गया।

समारोह में समाज के अध्यक्ष संजय शर्मा एवं वरिष्ठजनों द्वारा विधिवत पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और एकजुटता का परिचय देते हुए इस निर्माण कार्य को समाज के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि बाउंड्रीवॉल निर्माण से समाज की अमूल्य भूमि सुरक्षित रहेगी और अब यहां सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किए जा सकेंगे। इसे समाज के विकास का एक मील का पत्थर बताया गया।

मुख्य अतिथि विधायक दिलीप सिंह परिहार ने समाज को बड़ी सौगात देते हुए धर्मशाला विकास के लिए विधायक निधि से 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। साथ ही धर्मशाला स्थल तक पहुंचने के लिए लगभग 1 करोड़ रुपए की लागत से 1 किलोमीटर सड़क निर्माण कराने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने भविष्य में भी समाज को हरसंभव सहयोग देने की बात कही।

नीमच में किसान राजनीति का नया चेहरा- कांग्रेस हाईकमान द्वारा बालकिशन धाकड़ को बड़ी जिम्मेदारी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में किसान राजनीति को मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किसान संगठन द्वारा 12 जिलों के जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई है। इस महत्वपूर्ण सूची में नीमच जिले की जिम्मेदारी किसान पुत्र बालकिशन धाकड़ को सौंपे जाने से जिले की सियासत में नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

जैसे ही यह घोषणा सामने आई, नीमच जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और किसानों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। लंबे समय से संगठन में सक्रिय, जमीनी स्तर पर संघर्षरत और किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने वाले बालकिशन धाकड़ को यह जिम्मेदारी मिलना एक बड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

संघर्ष की मिसाल हैं बालकिशन धाकड़- बालकिशन धाकड़ का राजनीतिक सफर केवल पद पाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने हर दौर में किसानों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है। वे उन नेताओं में गिने जाते हैं जिन्होंने सत्ता और प्रशासन के दबाव के बावजूद अपनी आवाज बुलंद रखी।

किसानों के हक की लड़ाई लड़ते हुए उन्हें व्यक्तिगत नुकसान भी उठाना पड़ा—यहां तक कि प्रशासन द्वारा उनकी जमीन पर जेसीबी चलाने जैसी कार्रवाई भी झेलनी पड़ी। लेकिन इन परिस्थितियों ने उनके हौसले को कमजोर करने के बजाय और मजबूत किया।

जमीनी कार्यकर्ता को मिला सम्मान- कांग्रेस संगठन के इस फैसले को जमीनी कार्यकर्ताओं के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि समर्पण, निष्ठा और संघर्ष करने वाले कार्यकर्ताओं को ही आगे बढ़ाया जाएगा। की नियुक्ति से यह भी संदेश गया है कि पार्टी अब ग्रामीण और किसान वर्ग के बीच अपनी पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

जिलेभर में जश्न का माहौल- घोषणा के बाद नीमच शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर खुशी जताई और बालकिशन धाकड़ को बधाइयां दीं। सोशल मीडिया पर भी उन्हें शुभकामनाएं देने का सिलसिला लगातार जारी है।

संगठन को मिलेगी नई मजबूती- बालकिशन धाकड़ की नियुक्ति से किसान कांग्रेस को नीमच जिले में नई ऊर्जा मिलेगी। उनकी जमीनी पकड़, किसानों से सीधा संवाद और संघर्षशील छवि संगठन को गांव-गांव तक विस्तार देने में मददगार साबित हो सकती है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि बालकिशन धाकड़ अपने अनुभव और संघर्ष के दम पर किसानों की आवाज को किस तरह नई ऊंचाई तक पहुंचाते हैं और संगठन को कितना मजबूत बनाते हैं।

जनजातीय नृत्य और संगीत पर केंद्रित आदिरंग महोत्सव का हुआ शुभारंभ

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय नृत्य, संगीत एवं शिल्प कलाओं पर केंद्रित 3 दिवसीय आदिरंग महोत्सव का शुभारंभ प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने दीप प्रज्वलित कर किया। शुक्रवार शाम को छनेरा के स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर, नगर परिषद छनेरा के अध्यक्ष श्री मुकेश वर्मा, अध्यक्ष जनपद पंचायत, हरसूद श्रीमती ममता सतीश सावनेर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी मौजूद थे।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मंत्री डॉक्टर विजय शाह ने कहा कि आदिरंग महोत्सव का आयोजन सामान्यतः भोपाल, इंदौर, जबलपुर जैसे महानगरों में होता है। खंडवा जिले के छोटे से कस्बे छनेरा में इतने बड़े कार्यक्रम के आयोजन की स्वीकृति के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी लोककला, संस्कृति तथा आदिवासियों के गौरवशाली इतिहास के बारे में नागरिकों को जानकारी देने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। मंत्री श्री शाह ने उपस्थित नागरिकों को नववर्ष एवं नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संबोधित करते हुए भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री तोमर ने इस राज्य स्तरीय आयोजन के लिए क्षेत्र के नागरिकों को बधाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ छनेरा के अरिहंत पब्लिक स्कूल की छात्रा तनीषा राजोरिया के एकल नृत्य से हुआ।

पहले दिन हुए ये कार्यक्रम- जनजातीय नृत्य-संगीत एवं शिल्प कलाओं पर केंद्रित यह आयोजन जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी भोपाल एवं जिला प्रशासन खण्डवा के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जननायक जनजातीय जनयोद्धाओं केन्द्रित एवं माँ नर्मदा गोण्ड जनजातीय गीतों और कथाओं पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का भी संयोजन किया गया। तीन दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन शुक्रवार को पिथौराः भीली जल कथा नृत्य-नाट्य जिसका पुनर्सयोजनः चन्द्रमाधव बारीक, भोपाल द्वारा किया गया। वहीं समारोह में महाकाल ढोल श्री बाबा बटेश्वर कीर्तन समिति, भोपाल, भगोरिया नृत्य भील जनजातीय कैलाश सिसोदिया एवं साथी-धार, बधाई-नौरता नृत्य रचना तिवारी एवं साथी- सागर, करमा-फाग नृत्य बैगा जनजातीय- धनीराम बगदरिया एवं साथी-डिण्डोरी, राठ-होली नृत्य राठवा जनजातीय बनसिंह राठवा एवं साथी-गुजरात एवं सिंगारी नृत्य अभिजीत दास एवं साथी-उड़ीसा द्वारा प्रस्तुति गई।

ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों को हुई क्षति का राजस्व अधिकारियों ने खेतों में पहुंचकर किया निरीक्षण, सर्वे

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले के शमशाबाद, नटेरन व कुरवाई सहित अन्य क्षेत्रों के जिन ग्रामों में गत दिवस हुई ओलावृष्टि के कारण फसल क्षति हुई है उन ग्रामों में आज संबंधित क्षेत्र के राजस्व अधिकारियों एसडीएम, व तहसीलदार ने मय अमले के साथ पहुंचकर निरीक्षण व सर्वे किया है। जिन ग्रामों में फसलों को क्षति हुई थी उन ग्रामों में किसानों के खेतों में पहुंचकर राजस्व अधिकारियों ने फसलों का प्राथमिक आंकलन कर आवश्यक कार्यवाही की है। निरीक्षण के दौरान राजस्व अधिकारियों ने किसानों के खेत में बारीकी से फसल क्षति का निरीक्षण किया और किसानों से संवाद कर उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। विदिशा तहसील के ग्राम अंडिया में जिन किसानों के खेतों में ओलावृष्टि से फसल को नुकसान हुआ वहां अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर , विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा के द्वारा मौके पर पहुंच कर फसल का सर्वे किया है। इसके अलावा विदिशा तहसील के ग्राम ढोलखेड़ी में भी राजस्व विभाग की टीम ने खेतों में पहुंचकर फसल क्षति का आंकलन किया है और शमशाबाद एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल, तहसीलदार ने नटेरन तहसील क्षेत्र के ग्राम तोफाखेड़ी, पिपरिया और हीरापुर पहुंचकर किसानों के खेतों में ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों स्थल निरीक्षण किया। शनिवार को प्रातः से ही ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों को हुई क्षति का सर्वे कार्य प्रशासन द्वारा सतत जारी रहा। गुलाबगंज के ग्राम संतापुर , अंडिया कलां और गूलरखेड़ी में ग्यारसपुर एसडीएम श्रीमती शशि मिश्रा व तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर ओलावृष्टि से प्रभावित फसल का मौका मुआयना किया। विदिशा जिले की जिन तहसील क्षेत्र के ग्रामों में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ उन क्षेत्रों में राजस्व विभाग की टीम ने किसानों के खेतों का निरीक्षण तो किया ही साथ ही किसानों को शासन से हर संभव मदद दिलाए जाने का आश्वासन भी दिलाया।

गुरोद के सगड़ नदी क्षेत्र में रेत खनन में प्रयुक्त सामग्री लावारिस स्थिति में मिली, जप्त करने की कार्रवाई हुई

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि जिले में कहीं भी अवैध उत्खनन ना होने पाए। प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में नदी क्षेत्र के पास भ्रमण निरीक्षण का कार्य अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में आज नटेरन तहसील क्षेत्र भ्रमण के दौरान राजस्व विभाग की टीम द्वारा ग्राम गुरोद के पास सगड़ नदी क्षेत्र में रेत खनन में प्रयुक्त सामग्री जप्त करने की कार्यवाही की गई है। तहसीलदार श्री आनंद कुमार जैन ने बताया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम गुरोद के सगड़ नदी क्षेत्र में रेत निकालने का सामान जिनमें दो इंजन , एक छन्ना, दो फुटबॉल हरे रंग की, 4 इंची 1 फुटबॉल हरे रंग की, 3 इंची 12 काले रंग के पाइप लावारिस स्थिति में पाए गए थे, जिन्हें टीम द्वारा जप्त कर नटेरन थाने में सुरक्षार्थ रखवाया गया है।

कलेक्टर सख्त, नरवाई जलाने पर होगी एफआईआर, किसानों को दी जा रही जागरूकता

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। कलेक्टर के निर्देशानुसार कृषि विभाग का मैदानी अमला गांव-गांव पहुंचकर कृषकों को नरवाई प्रबंधन के प्रभावी तरीकों के बारे में जागरूक कर रहा है। कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों के साथ-साथ इस पर लागू होने वाले अर्थदण्ड एवं एफआईआर की कार्यवाही के संबंध में भी जानकारी दी जा रही है। कलेक्टर द्वारा स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं कि नरवाई जलाने वाले कृषकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही गेहूं फसल की कटाई में संलग्न कम्बाईन हार्वेस्टर मालिकों एवं संचालकों को भी निर्देशित किया गया है कि वे एसएमएस अथवा स्ट्रॉ रीपर, रोटावेटर, बेलर आदि यंत्रों का उपयोग कर फसल अवशेष का समुचित प्रबंधन करें। बिना एसएमएस अथवा निर्धारित यंत्रों के कम्बाईन हार्वेस्टर द्वारा कटाई किए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी तथा आवश्यक होने पर मशीन को जप्त करने हेतु थाना स्तर पर सूचना देने के निर्देश भी दिए गए हैं। नरवाई प्रबंधन जागरूकता अभियान के अंतर्गत कृषि विस्तार अधिकारी बलवंत चौहान द्वारा विकासखंड पिछोर के ग्राम गुरुकुदवाया, संजय माहौर एवं दिग्विजय सिंह द्वारा विकासखंड नरवर के ग्राम पनानैर तथा रविकांत लोधी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा विकासखंड कोलारस के ग्राम गुढा, मानीपुरा, लिलवारा एवं लुकवासा में बैठकें आयोजित कर किसानों को नरवाई प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई।

वृहद स्वास्थ्य शिविर में निःशुल्क की जा रही है महत्वपूर्ण जांचे अभी तक 32824 मरीज पहुंचे स्वास्थ्य शिविर में लाभ लेने

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन, श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर में तीसरे दिन भी लगातार बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचे। शुक्रवार को 7628 मरीजो ने पंजीयन कराया और चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। अभी तक शिविर में 32824 मरीज स्वास्थ्य लाभ लेने पहुंचे हैं। स्वास्थ्य शिविर में आज 74 मरीजो की सर्जरी की गई। यह सिलसिला 24 मार्च तक चलेगा। जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों का उपचार किया जाएगा। शुक्रवार को 7628 मरीजो ने पंजीयन कराया। जिसमें एमसीएच कार्डियोथोरेसिक के 87, डीएम कार्डियो के 43, डीएम न्यूरोलॉजी के 78, एमसीएच न्यूरोसर्जरी के 74, एनसीडी के 844, श्वसन मेडिसिन के 319, दिव्यांग बोर्ड के 34, फिजियोंथेरिपी के 127, डेन्टल यूनिट के 161, ओबीएसटी/गायनिक के 300, स्क्रीन/वीडी डेप के 490, ऑनकोलॉजी के 62, डीएम गैस्ट्रो के 186, डीएम नेफ्रो के 202, एंडोक्रिनोलॉजी डीएम के 41, डीएम हेमेटोलॉजी के 16, मनोचिकित्सक के 451, नाक-कान-गला के 468, नेत्रविज्ञान इकाई के 528, बाल चिकित्सा के 183, ऑर्थोपेडिक के 913, प्लास्टिक सर्जरी के 19, मेडिसिन कॉउन्टर के 472, जनरल सर्जरी काउन्टर के 420, कुष्ठ रोग काउन्टर के 12, आरबीएसके काउन्टर के 23, फेमली प्लानिंग काउन्टर के 20, एमओ ओपीडी के 764, ब्रेस्ट केंसर निवारण के 18, ओरल केंसर डेंटल बस के 68, निवारण परामर्श के 10, ओफ्थलमोलॉजी के 180, बूमन केंसर के 15 पंजीयन शामिल हुए। वृहद स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की महत्वपूर्ण जांचे निःशुल्क की जा रही है। जिसमें एक्स-रे 1136, पैथोलॉजी 872, एफएनएसी 18, ईसीएचओ 67, एमआरआई 183 एवं सीटी स्कैन 25 और 471 सोनोग्राफी की गई। स्वास्थ्य शिविर में उपचार के लिए पहुंचने वाले लोगों के लिए एक व्यवस्था बनाई गई है। पंजीयन काउंटर बनाए गए हैं जो भी शिविर में चिकित्सकों से उपचार करना चाहते हैं सुबह 8 से 2 बजे तक अपना पंजीयन कराएं। जबकि सुबह 9 से 4 तक विशेषज्ञ चिकित्सको द्वारा मरीजों का परीक्षण किया जाएगा।

आबकारी विभाग द्वारा ग्राम धामनी नाना में 1.4 लाख रुपये से अधिक की अवैध शराब जप्त

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर नेहा मीना एवं उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता इंदौर श्री संजय तिवारी द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के परिपालन में मदिरा संग्रहण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध ज़िला आबकारी अधिकारी झाबुआ श्रीमती बसंती भूरिया के निर्देशन में आज 21 मार्च 2026 को मुखबिर की सूचना पर आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा आबकारी वृत्त झाबुआ %ब% मे ग्राम धामनी नाना में मुखबिर द्वारा बताये स्थान तालाब के पास रखी मक्के की कड़ब की विधिवत तलाशी लेने पर विदेशी मदिरा माउंट 6000 बियर मदिरा 52 पेटी (कुल- 624 बल्क लीटर) विधिवत जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2), के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया उक्त कार्यवाही नवीन विधान के तहत विडियोग्राफी व फोटोग्राफी कि गयी। जप्तशुदा मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि रुपये 1,43,520/- है।

उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक विकास वर्मा द्वारा की गई व आबकारी उपनिरीक्षक श्री योगेश दामा, श्री अकलेश सोलंकी, श्री प्रेमसिंह परमार एवं आबकारी स्टाफ श्री प्रकाश भाबर, कांतु डामोर, कुसुम डामोर, श्रीराम शर्मा, सोहन नायक, कुंवरसिंह डावर, पवन गाडरिया, विजय चौहान, पंकज डोडियार, श्रीमती पुष्पा बारिया, विद्या डामोर का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का तत्परता से कराएं सर्वेक्षण

प्रभावितों को सरकार की ओर से दी जाएगी हर संभव सहायता

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में गत रात कुछ गाँवों में ओलावृष्टि की सूचनायें मिलने पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि ओलावृष्टि से प्रभावित सभी गाँवों का तत्परता से सर्वेक्षण कराया जाए। ओलावृष्टि से अगर किसी भी किसान की फसल को हानि पहुँची है तो उसे शासन के प्रावधान अनुसार राहत वितरण की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने शनिवार को जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहर विकास की समीक्षा करते हुए यह बात कही। जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मुरार सर्किट हाउस में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहर विकास की चर्चा की। ग्वालियर विकास की सभी परियोजनाओं को तेजी के साथ पूर्ण करने की बात भी कही।

समीक्षा बैठक में नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, ग्रामीण अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत, आईजी ग्वालियर श्री अरविंद कुमार सक्सेना, डीआईजी ग्वालियर श्री अमित सांघी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सम्पूर्ण प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

ग्वालियर जिले में भी अभियान के तहत शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में जल संरचनाओं के संरक्षण का कार्य बड़े पैमाने पर किया जाए। इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में जिले में संचालित किया जाए। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और जनमानस को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिये जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि जल संरचनाओं की साफ-सफाई के साथ-साथ तालाबों के कैचमेंट एरिया को भी अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जल संरचनाओं के आस-पास किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। यदि कहीं पर है तो उसे तत्परता से हटाने की कार्रवाई की जाए।

अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड का संचालन शीघ्र प्रारंभ हो- प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि ग्वालियर में अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड (आईएसबीटी) का निर्माण किया गया है। शहर विकास की कड़ी में यह एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके संचालन के लिये जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों एवं बस ऑपरेटरों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित कर बस स्टेण्ड का संचालन व्यवस्थित रूप से प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान से कहा कि ग्वालियर के मंत्री द्वय, सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बस ऑपरेटरों के साथ शीघ्र बैठक आयोजित कर इसका संचालन प्रारंभ करें, ताकि जिले के निवासियों को नए बस स्टेण्ड के रूप में अच्छी व्यवस्थायें उपलब्ध हो सकें।

पेयजल, सीवर एवं सड़कों के संधारण कार्य को दें प्राथमिकता- प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने शहर विकास की समीक्षा के दौरान कहा है कि ग्वालियर में पेयजल वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जाए तथा आम लोगों को शुद्ध और पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही सीवर संधारण के कार्य भी सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किए जाएं। उन्होंने नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय से कहा है कि शहर की सभी सड़कों के संधारण का कार्य भी निगम पूरी मुस्तैदी के साथ करे। नई सड़कों के निर्माण के साथ-साथ सड़कों के पेंच रिपेयरिंग के कार्य को भी निगम निरंतर करे ताकि नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था को भी और बेहतर बनाने के भी निर्देश दिए हैं।

स्वच्छता अभियान को भी प्राथमिकता से क्रियान्वित करें- प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने स्वच्छता अभियान की समीक्षा के दौरान कहा कि ग्वालियर में अभियान के तहत जन-जन को जोड़कर कार्य किया जाए। स्वच्छता अभियान में ग्वालियर भी अच्छी रैंकिंग प्राप्त कर सके, इसके लिये समाज के सभी वर्गों को जोड़कर निगम निरंतर अभियान संचालित करे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आवश्यकता समझें तो जनप्रतिनिधियों एवं निगम में स्वच्छता अभियान से जुड़े अमले को भी इंदौर भेजकर स्वच्छता अभियान में किए जा रहे कार्यों का अवलोकन कराया जाए। शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ-साथ जिले का हर नागरिक स्वच्छता अभियान में भागीदार बनें, इस दिशा में सार्थक प्रयास किए जाना चाहिए।

जिले में यातायात प्रबंधन एवं कानून व्यवस्था पर निरंतर कार्य हो- प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कानून व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन की समीक्षा करते हुए आईजी श्री अरविंद सक्सेना, डीआईजी श्री अमित सांघी एवं पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह से कहा कि यातायात प्रबंधन के लिये पुलिस विभाग के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जाना चाहिए। इसके साथ ही कानून व्यवस्था के मामले में कोई कोताही नहीं बरती जाना चाहिए। जहां आवश्यकता हो वहां सख्ती भी की जाना चाहिए।

मिलावट के विरूद्ध हो सख्त कार्रवाई- प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरूद्ध जिले में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाना चाहिए। इसके लिये विभागीय स्तर पर निरंतर दल बनाकर जांच की जाए और जो भी व्यक्ति खाद्य पदार्थों में मिलावट के लिये दोषी पाया जाता है उसके विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि केवल त्यौहारों के दौरान ही नहीं बल्कि नियमित सेम्पलिंग का कार्य किया जाए।

बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने दी महत्वपूर्ण जानकारी- विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में आईजी श्री अरविंद कुमार सक्सेना ने कानून व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन के लिये पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन के लिये पुलिस विभाग द्वारा नियमित अभियान चलाकर कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही जिले में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने भी पुलिस विभाग के माध्यम से किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी दी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बताया कि जिले में गत रात घाटीगांव एवं भितरवार क्षेत्र के कुछ ग्रामों में ओलावृष्टि हुई है। राजस्व विभाग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में संपर्क करने पर जानकारी मिली है कि ओलावृष्टि बहुत की कम मात्रा में कुछ ग्रामों में हुई है। राजस्व विभाग के माध्यम से मैदानी स्तर पर पहुँचकर सर्वेक्षण का कार्य भी किया जा रहा है। इसके साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जल संरचनाओं के संरक्षण और संवर्धन के कार्य हाथ में लिए गए हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान :- माढ़ोताल तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ

क्षेत्रीय जनों के साथ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया श्रमदान

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जल सरंक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से नई जल सरंचनाओं के निर्माण तथा ताल, तलैयों और बावड़ी जैसी पुरानी जल सरंचनाओं को पुनर्जीवित करने संचालित किये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत् शहर में प्रथम चरण में लगभग 25 करोड़ रूपये की लागत से माढ़ोताल तालाब और गौर नदी का जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आज शनिवार को माढ़ोताल तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य तालाब की साफ-सफाई से शुरू किया गया। नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक डॉ अभिलाष पांडे, भाजपा के नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने क्षेत्रीय नागरिकों के साथ श्रमदान कर तालाब की सफाई की। 14 करोड़ रूपये से तालाबों का उन्नयनीकरण ~ कार्यक्रम में बताया गया कि शहर की प्राचीन जल सरंचनाओं को उनका पुराना वैभव लौटाने तथा जल स्त्रोतों के सरंक्षण के लिये 14 करोड़ रुपये की लागत से नगर निगम द्वारा प्रमुख पाँच तालाबों का सौंदर्यीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया है। इनमें हनुमानताल का कार्य 50 प्रतिशत से अधिक, अधारताल तालाब का 25 प्रतिशत से अधिक एवं रानीताल का 40 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है तथा सूपाताल के उन्नयीनीकरण एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य तेजगति से कराया जा रहा है। जबकि, गंगासागर तालाब के उन्नयन और सौंदर्यीकरण के लिये निविदा प्रगति पर है। माढ़ोताल तालाब के जीर्णोद्धार के कार्यक्रम को संबोधित करते हुये महापौर श्री जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने बताया कि नगर 30 जून तक गौर नदी को पुराने स्वरूप में लाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में माढ़ोताल तालाब में दो हजार से अधिक नागरिकों द्वारा श्रमदान किया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी आमंत्रित किया गया है। महापौर ने बताया कि सिटी ब्यूटीफिकेशन के तहत शहर के सभी पाँच प्रवेश मार्गों और बारह प्रमुख चौराहों का सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया जायेगा।

इनमें से आदि शंकराचार्य चौक पर रंगीन फव्वारा लगा दिया गया है। डुमना एयरपोर्ट चौराहा, दीनदयाल चौक, सांई मंदिर चौक, कलेक्ट्रेट चौक, नागरथ चौक, इंकमटैक्स चौक, महर्षि दयानंद सरस्वती चौक, एसबीआई चौक, अहिंसा चौक, सांइस कॉलेज चौक, इलाहाबाद बैंक चौक, नौदरा ब्रिज चौक और मालवीय चौक का भी सौन्दर्यीकरण किया जायेगा।

नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - प्रभारी मंत्री श्री सिलावट

प्रभारी मंत्री ने हजार बिस्तर अस्पताल पहुँचकर व्यवस्थाओं को देखा

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर उपचार के साथ-साथ व्यवस्थायें भी मिलें, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य सुविधाओं के क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने शनिवार को ग्वालियर प्रवास के दौरान अचानक हजार बिस्तर अस्पताल पहुँचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए यह बात कही।

प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने हजार बिस्तर अस्पताल पहुँचकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और डीन मेडीकल कॉलेज डॉ. आर के एस धाकड़ के साथ ही अन्य चिकित्सकों से चर्चा कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ग्वालियर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर से बेहतर करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में 1100 करोड़ रुपए की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस परियोजना के तहत ग्वालियर की स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि ग्वालियर की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिये जो कार्ययोजना बनाई गई है उसे शासन स्तर से शीघ्र ही स्वीकृति मिलेगी, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से ग्वालियर एक और महत्वपूर्ण सेंटर बनकर उभरेगा।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने अस्पताल भ्रमण के दौरान अस्पताल में उपचार के लिये आए मरीजों एवं उनके परिजनों से भी चर्चा कर स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से कहा है कि अस्पताल में आने वाले किसी भी मरीज को स्वास्थ्य सेवाओं को प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही मरीजों के साथ आने वाले परिजनों को भी दिक्कत न आए, ऐसी व्यवस्थायें की जाएं। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने निरीक्षण के उपरांत डीन मेडीकल कॉलेज एवं अन्य चिकित्सकों के साथ भी बैठक कर अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हजार बिस्तर अस्पताल की सभी लिफ्ट शीघ्र अतिशीघ्र प्रारंभ हों, यह सुनिश्चित किया जाए। लिफ्ट खराबी के कारण किसी भी मरीज को कोई परेशानी नहीं आना चाहिए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सीवरेज खुदाई में गैस लाइन टूटी, 1000 घरों के चूल्हे रहे ठंडे

मरम्मत में दिनभर लगी मशक्कत, रात 9:30 बजे बहाल हुई सप्लाई , शहर में गैस-पानी लाइनों की जानकारी तक नहीं विभागों के पास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सीवरेज खुदाई ने एक बार फिर आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी। तिरूपति रेसिडेंसी क्षेत्र में गैस पाइपलाइन टूटने से करीब एक हजार घरों में पूरा दिन चूल्हा नहीं जला। पहले से चल रही गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच पीएनजी उपभोक्ताओं की मुश्किलें और बढ़ गईं।

शाम के समय अचानक गैस सप्लाई बंद होने पर लोगों ने गैस कंपनी के कस्टमर केयर पर शिकायतों की झड़ी लगा दी। लगातार शिकायतें मिलने के बाद कंपनी की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन खराब मौसम ने काम में और अड़चन डाल दी। आंधी और बारिश के चलते कुछ देर के लिए मरम्मत कार्य रोकना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद टीम को पाइपलाइन में लीकेज मिला, जिसे दुरुस्त किया गया। हालांकि इसके बाद भी सप्लाई शुरू नहीं हो सकी, जिससे कर्मचारियों को दोबारा जांच करनी पड़ी। आखिरकार देर रात करीब 9:30 बजे गैस सप्लाई बहाल हो सकी। तब जाकर प्रभावित परिवारों ने राहत की सांस ली।

बार-बार सामने आ रही बड़ी लापरवाही- इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि शहर में पेयजल और गैस जैसी जरूरी लाइनों का सटीक नक्शा तक संबंधित विभागों के पास उपलब्ध नहीं है। इसी वजह से खुदाई के दौरान बार-बार पाइपलाइनें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और आम जनता को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

जनता का सवाल, कब सुधरेगी व्यवस्था- लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से लोग परेशान हैं। उनका कहना है कि जब तक विभाग आपसी समन्वय और सही प्लानिंग नहीं करेंगे, तब तक शहरवासियों को इसी तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

नाबालिक बेटी की शादी रोकने पहुंची मां पर भाई ने किया हमला

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मामा के पास रहने वाली भांजी की शादी तय करने का पता मां को चला तो वह भाई के घर पहुंची। बेटी की शादी का विरोध किया तो भाई ने लोहे के सरिये से हमला कर दिया। पुलिस घायल के बयान दर्ज कर जांच कर रही है। भांजी को मामा के यहां से उज्जैन लाया गया है।

काजीपुरा में रहने वाली रेखा बाई पति मेघराज 30 वर्ष की बेटी अंजलि तीन साल की थी, उस दौरान रेखा का भाई अर्जुन बहन की बेटी को अपने साथ ले गया था। उसने बहन से भांजी का पालन-पोषण करने की बात कही। 10 साल बाद भांजी अंजलि 13 वर्ष की हो गई। मामा अर्जुन ने उसका जावरा में रिश्ता तय कर दिया। यही नहीं शादी की पत्रिका भी छपवा ली। लेकिन अंजलि की मां रेखा को नहीं बताया। शुक्रवार को रेखा के दूसरे भाई लखन के पास व्हाट्स एप पर अंजलि की शादी होने की पत्रिका पहुंची तो लखन ने बहन रेखा को बताया। रेखा अपनी बेटी की शादी से अंजान थी। वह कम उम्र में बेटी की भाई द्वारा की जा रही शादी का विरोध करने ग्राम बांसखेड़ी पहुंच गई। जहां उसने अपनी बेटी को वापस उज्जैन लाने की बात कही। लेकिन अर्जुन ने मना कर दिया। यही नहीं अर्जुन ने बहन रेखा पर लोहे के सरिये से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल हुई रेखा को उसका दूसरा भाई लखन उपचार के लिए चरक अस्पताल लेकर पहुंचा। इस दौरान अंजलि को भी उज्जैन लाया गया। मामले की जानकारी मिलने पर भैरवगढ़ पुलिस द्वारा घायल रेखा के बयान दर्ज किए गए हैं। अर्जुन की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

इंदौर रोड पर दुर्घटना में बालक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौररोड पर हुई सड़क दुर्घटना में बालक की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक डंपर छोड़कर भाग निकला था। नानाखेड़ा पुलिस चालक का पता लगा रही है। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि इंदौररोड स्थित आलमपुर उड़ाना में सायकल सवार 13 साल के बालक आदित्य राजेश अग्रवाल को तेजगति से आये डम्पर ने टक्कर मार दी थी। बालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे अस्पताल पहुंचाया जाता उससे पहले उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने ही पुलिस घटनास्थल पहुंच गई थी। परिजनों ने बताया कि आदित्य सायकल से किराना दुकान पर सामान लेने जा रहा था। पुलिस के अनुसार चालक डंपर छोड़कर भाग निकला था। जिसके नम्बर से चालक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में मर्ग कायम किया गया है। शनिवार सुबह मृतक बालक का पोस्टमार्टम कराया गया।

गोपालपुरा में मकान से मिली 1.10 लाख की विदेशी शराब

आबकारी टीम ने महिला को पकड़ा, पति फरार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रोड पर अवैध शराब का भंडारण होने की खबर मिलने पर आधी रात को आबकारी विभाग की टीम ने दबिश मारी तो 1.10 लाख की विदेशी शराब बरामद हो गई। आबकारी टीम ने महिला को हिरासत में लिया उसका पति फरार हो गया था।

आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी मुकेश रंधा ने बताया कि मक्सी रोड गोपालपुरा क्षेत्र में एक मकान से शराब बेची जाने की जानकारी मिलने पर शुक्रवार शनिवार रात टीम द्वारा दबिश दी गई। मकान में एक महिला होना सामने आई जिसका नाम भारती पति पवन था। टीम द्वारा मकान की तलाशी ली गई तो विदेशी शराब की 100 से अधिक बोतल बरामद हो गई। भारती को गिरफ्तार कर मामले में आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के का प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपिया के पति को भी आरोपी बनाया गया है, जिसकी तलाश की जा रही है। शनिवार को महिला आरोपिया को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। पति की गिरफ्तारी के बाद मामले में और अधिक जानकारी सामने आ पाएगी।

तरणताल में शहर वासियों को 6 दिन तक मुफ्त तैराकी का मौका

नई दरें तय होने तक पुराने शुल्क पर होगा संचालन, सुबह-शाम दो शिफ्ट में खुला रहेगा पूल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम द्वारा कोठी रोड स्थित नए आधुनिक स्विमिंग पूल को आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। खास बात यह है कि शुरुआत के पहले छह दिन तक यहां तैराकी पूरी तरह मुफ्त रहेगी, जिससे बच्चे, युवा और तैराकी प्रेमी बिना शुल्क के इसका आनंद ले सकेंगे।

करीब 8.30 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस स्विमिंग पूल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। पूल की गहराई 4.5 फीट से लेकर 6.5 फीट तक रखी गई है, जिससे यहां बड़े स्तर की तैराकी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा सकेंगी। इसके साथ ही छोटे बच्चों के लिए अलग से वॉर्मअप पूल की सुविधा भी बनाई गई है, ताकि वे सुरक्षित माहौल में तैराकी सीख सकें। सुविधाओं की बात करें तो यहां 200 लोगों के बैठने की क्षमता वाली दर्शक दीर्घा (गैलरी), पार्किंग, आधुनिक फिल्टर प्लांट, शॉवर रूम और वेटिंग लाउंज जैसी व्यवस्थाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। इससे यह स्विमिंग पूल शहर के प्रमुख खेल और मनोरंजन केंद्र के रूप में उभरने की उम्मीद है।

नगर निगम ने फिलहाल पूल संचालन के लिए दो शिफ्ट तय की हैं। पहली शिफ्ट सुबह 6 बजे से 10 बजे तक और दूसरी शिफ्ट शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक रहेगी। इन दोनों शिफ्टों में लोग अपनी सुविधा के अनुसार तैराकी कर सकेंगे। पूल के संचालन की जिम्मेदारी जोनल अधिकारी जितेंद्र सिंह जादौन को नोडल अधिकारी के रूप में सौंपी गई है। वहीं सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसडीआरएफ और नगर निगम के कर्मचारियों को तैनात किया गया है, ताकि तैराकों की सुरक्षा में कोई कमी न रहे। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के अनुसार, स्विमिंग पूल के नए शुल्क निर्धारण का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। जब तक यह प्रस्ताव स्वीकृत नहीं होता, तब तक पुरानी दरों पर ही पूल का संचालन किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शुरुआती सात दिन तक तैराकी पूरी तरह निःशुल्क रहेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण और हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने के संकल्प के साथ, जनपद पंचायत तराना के अंतर्गत ग्राम पंचायत सामानेरा में जल अर्पण दिवस कार्यक्रम का हर्षोल्लास के साथ आयोजन गत दिवस किया गया। यह कार्यक्रम लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग व जल जीवन मिशन के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलश यात्रा और जन-जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत गांव की महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकालकर की गई। ग्रामीण महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर जल के महत्व का संदेश दिया।

एलपीजी संकट से थमे होटल-रेस्टोरेंट, कोयले की भट्टी पर लौटी रसोई

कमर्शियल सिलेंडर 4500 रुपए में ब्लैक, मीनू सिमटा-थाली तक सीमित हुआ कारोबार; सप्लाई रुकी तो 80 के दशक जैसे हालात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतराष्ट्रीय तनाव का असर अब सीधे शहर की रसोई तक पहुंच गया है। ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने एलपीजी सप्लाई चेन को प्रभावित किया है, जिसका सबसे बड़ा झटका उज्जैन के होटल और रेस्टोरेंट कारोबार को लगा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि गैस की किल्लत के चलते शहर के कई प्रतिष्ठान दशकों पीछे जाकर कोयले की भट्टी पर खाना बनाने को मजबूर हो गए हैं।

शहर के प्रमुख धार्मिक क्षेत्र महाकालेश्वर मंदिर के आसपास ही करीब 100 होटल-रेस्टोरेंट ऐसे हैं, जहां गैस खत्म होते ही कोयला भट्टी का सहारा लिया जा रहा है। यह नजारा 80 के दशक की याद दिला रहा है, जब रसोई में गैस नहीं, बल्कि कोयले का धुआं आम बात हुआ करता था।

ब्लैक में बिक रहा सिलेंडर, कीमतें आसमान पर - कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की किल्लत ने कालाबाजारी को बढ़ावा दे दिया है। बाजार में 1800 रुपए का सिलेंडर अब 4500 रुपए तक में बिकने की चर्चाएं हैं। जिन होटल संचालकों के पास पुराना स्टॉक है, वे ही फिलहाल काम चला पा रहे हैं, लेकिन भविष्य की सप्लाई के डर से कोई खुलकर शिकायत करने को तैयार नहीं।

मीनू से गायब डिशेज, सिर्फ थाली पर जोर- गैस की बचत के लिए होटल-रेस्टोरेंट संचालकों ने अपने मीनू में बड़े बदलाव किए हैं। अब अलग-अलग ऑर्डर बंद कर दिए गए हैं और सिर्फ तयशुदा भोजन थाली ही परोसी जा रही है। इससे जहां ग्राहकों के विकल्प कम हुए हैं, वहीं कारोबार पर भी सीधा असर पड़ा है।

घरेलू सिलेंडर की स्थिति संभली, पैनिक कम- हालांकि राहत की बात यह है कि घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए स्थिति अब काफी हद तक सामान्य हो गई है। शहर में रोज करीब 7 हजार सिलेंडर की बुकिंग हो रही है और उतनी ही सप्लाई भी मिल रही है। शुरुआती दिनों में यह आंकड़ा 12 हजार तक पहुंच गया था, जो अब घट चुका है।

कमर्शियल सप्लाई पर सख्ती, प्राथमिकता बदली - गैस एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि फिलहाल कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति केवल मंदिर, आश्रम, हॉस्टल कैंटीन और प्रसाद बनाने वाली संस्थाओं को ही की जाए। होटल-रेस्टोरेंट इस सूची से बाहर हैं, जिससे उनका संकट और गहरा गया है।

पीएनजी उपभोक्ताओं पर भी कार्रवाई- सरकार के निर्देश के बाद पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं पर भी सख्ती शुरू हो गई है। जैसे ही ऐसे उपभोक्ता एलपीजी की बुकिंग कर रहे हैं, सिस्टम में उनकी बुकिंग स्वतः निरस्त हो रही है।

अधिकारी बोले, कमर्शियल पर फिलहाल कोई निर्देश नहीं- जिला आपूर्ति नियंत्रक शालू वर्मा के अनुसार घरेलू गैस वितरण अब व्यवस्थित हो चुका है, लेकिन कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई कंपनियों से ही नहीं आ रही है और इस संबंध में फिलहाल कोई नए निर्देश भी प्राप्त नहीं हुए हैं।

कार में भरी मिली हजारों की शराब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अनियंत्रित होकर क्षतिग्रस्त हुई कार में हजारों की अवैध शराब भरी होना सामने आया है। पुलिस के पहुंचने से पहले चालक भाग निकला था। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ अवैध शराब परिवहन का मामला आबकारी अधिनियम में दर्ज किया है। तराना थाना पुलिस ने बताया कि नयाखेड़ा जोड़ रूपाखेड़ी मार्ग पर कार अनियंत्रित होकर क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिली थी। जिसके चलते पुलिस मौके पर पहुंची। कार का चालक भाग चुका था। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें देशी शराब की सात पेटी भरी होना सामने आई। जिसकी कीमत 27 हजार रुपए से अधिक की थी। आशंका जताई गई कि कार चालक द्वारा अवैध रूप से शराब का परिवहन किया जा रहा था। तेज रफ्तार होने की वजह से कार अनियंत्रित होकर क्षतिग्रस्त हुई है। पुलिस के अनुसार मामले में आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर कार नंबर के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है।

नाबालिक का शोषण करने वाला 45 दिन बाद पकड़ाया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के बाद अनैतिक काम करने वाले युवक को 45 दिन बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसे शुक्रवार दोपहर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। बड़नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली 15 साल की बालिका 31 जनवरी को लापता हो गई थी। परिजनों ने अज्ञात युवक के खिलाफ बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर बालिका की तलाश शुरू की। 2 दिन बाद बालिका को दस्तयाब किया गया। इस दौरान सामने आया कि उसके साथ शिक्षक कालोनी में रहने वाले कान्हा पिता प्रकाश 20 वर्ष ने अनैतिक काम किया है। थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि बालिका के बयान दर्ज कर मामले में अनैतिक काम करने की धारा का इजाफा कर युवक की तलाश शुरू की गई, वह लगातार फरार चल रहा था। 45 दिन बाद गुरूवार रात खबर मिली कि उक्त युवक अपने घर आया हुआ है। तत्काल उसकी गिरफ्तारी के लिये एसआई चांदनी पाटीदार, प्रधान आरक्षक प्रदीप डामोर, आरक्षक हेमराज खरे, कैलाश गरवाल और महिला आरक्षक ज्योति हाड़ा की टीम को रवाना किया गया। टीम द्वारा शिक्षक कालोनी में घेराबंदी कर आरोपी युवक को पकड़ा और थाने लेकर आये। जहां विधिवत उसकी गिरफ्तारी कर शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का आदेश होने पर उसे जेल भेजा गया है।

ईदगाह में अदा हुई नमाज, गले मिलकर दी मुबारकबाद

30 रोजों के बाद मनाई गई मीठी ईद, मुस्लिम इलाकों में दिनभर रही चहल-पहल, बच्चों में दिखा खास उत्साह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में शनिवार को ईद का त्योहार पूरे उल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। एक महीने के रोजों के बाद आई मीठी ईद पर मुस्लिम समाज में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही इंदिरानगर स्थित ईदगाह में नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे।

ईदगाह में तय समय पर मुख्य नमाज अदा की गई, जहां लोगों ने अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देने का सिलसिला शुरू हुआ, जो पूरे दिन चलता रहा। शहर की अन्य मस्जिदों में भी नमाज अदा की गई और हर जगह भाईचारे का संदेश देखने को मिला। ईद के मौके पर शहर के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में खास रौनक नजर आई। ग्रीन पार्क कॉलोनी, बेगमबाग, कोट मोहल्ला, तोपखाना, अंडा गली, जामा मस्जिद क्षेत्र, जूना सोमवारिया, नागझिरी और आगर रोड स्थित नाका नंबर-5 की बस्तियों में लोगों ने नए कपड़े पहनकर त्योहार की खुशियां मनाईं। घरों में सेवइयां और मिठाइयां बनाई गईं, जिनका आदान-प्रदान भी हुआ। बच्चों में ईद को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। नए कपड़े पहनकर और ईदी पाकर उनकी खुशी देखते ही बन रही थी। कुल मिलाकर शहर में ईद का त्योहार सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया गया, जिसने समाज में एकता और प्रेम का संदेश दिया।

विश्व खुशहाली दिवस एवं विश्व जल दिवस पर विशेष आयोजन आज किया जाएगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र नवरात्री के अवसर पर विश्व कल्याण एवं स्वस्थ पर्यावरण की भावना को साकार करने के लिए आनंद विभाग द्वारा विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

आनंद विभाग के जिला समन्वयक डॉ. प्रवीण जोशी ने बताया कि आनंद विभाग द्वारा प्रदेश स्तर पर 20 मार्च को विश्व खुशहाली दिवस भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया।

इसी क्रम में जिला मुख्यालय उज्जैन पर रविवार 22 मार्च को विश्व जल दिवस के अवसर पर राज्य आनंद संस्थान, टीम आनंदक द्वारा प्रदेश की खुशहाली, अच्छी वर्षा की कामना एवं जल संरक्षण के सफल प्रयासों के लिए पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, पर्यावरण शुद्धि तथा सामूहिक खुशहाली के संकल्प को सशक्त करना है। इस महायज्ञ में नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में सहभागिता कर जल संरक्षण के प्रति अपनी पवित्र आहुति देने का आह्वान किया गया है।

यह आयोजन प्रातः 9 बजे सावन भादवा बिजासन माता मंदिर परिसर (चामुंडा माता चौराहा, उज्जैन) में संपन्न होगा। आयोजकों ने समस्त नागरिकों, समाजसेवियों एवं श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में सहभागिता कर इसे सफल बनाने की अपील की है।

युवक ने एसिड पीकर किया सुसाइड

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रेम विवाह करने वाले युवक ने शनिवार को एसिड पी लिया, जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जाएगा। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि राजीव नगर में रहने वाले जीवन पिता प्रकाश शर्मा को परिजनों ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंचे इस दौरान सामने आया कि उसने एसिड पिया है। हालत गंभीर होने पर उसके बयान दर्ज नहीं हो सके। कुछ घंटे बाद शाम को उसकी मौत हो गई। मामले में मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए कक्ष में रखा गया है रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जानकारी सामने यह की जीवन में प्रेम विवाह किया था और उसकी पत्नी छोड़कर चली गई थी कुछ दिनों से वह लगातार शराब भी पी रहा था।

बाजार मूल्य की गाईड लाइन की अंतिम दरों में आम जनता के सुझाव देने की आज अंतिम तिथि

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठ जिला पंजीयक श्रीमती ऋतंभरा द्विवेदी द्वारा बताया गया कि बाजार मूल्य की गाईड लाईन वर्ष 2026-27 की अंतिम दरों में आमजनता के सुझाव आमंत्रित किए गए है। आमजन आपत्तियां / सुझाव रविवार 22 मार्च तक तहसील एवं वरिष्ठ जिला पंजीयक कार्यालय 31 भरतपुरी में शाम 6:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकेंगे। इसके बाद अंतिम प्रस्ताव केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड को प्रेषित किए जाएंगे।

उज्जैन में तराना रोड स्टेशन के पास बड़ा हादसा, रेलवे ब्रिज की मरम्मत के दौरान गार्डर सहित क्रेन नदी में गिरी, रेल यातायात प्रभावित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन-भोपाल रेल लाइन पर तराना रोड रेलवे स्टेशन के समीप शुक्रवार सुबह दुर्घटना हो गई। टिल्लर नदी पर बने पुल से पुरानी गार्डर निकालकर नई लगाई जा रही थी। इस दौरान क्रेन जमीन में धंसने के कारण असुंतलित होकर गार्डर सहित नदी में गिर गई। इससे पुल के ऊपर स्थित ओएचई वायर टूट गया। हालांकि रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कार्य के लिए तीन घंटे का ब्लाक लिया गया था। वायर टूटा नहीं था, उसे हटाया गया था। सिंगल लाइन से ट्रेनों का संचालन किया गया, देर शाम छह बजे ही सुधार कार्य पूरा किया गया।

पुराने ब्रिज के मेंटनेंस के दौरान हुआ हादसा- रेलवे प्रशासन द्वारा उज्जैन-भोपाल रेल मार्ग पर तराना रोड स्टेशन के समीप टिल्लर नदी पर बने पुल पर मेंटनेंस का काम किया जा रहा है। नदी पर बने दो ब्रिज से अप-डाउन ट्रेनों की आवाजाही होती है। इनमें से एक पुराने ब्रिज के गार्डर में खराबी होने के चलते गुरुवार से उसे बदलने का काम चल रहा था। रेलवे ने इसके लिए शुक्रवार सुबह तीन घंटे का ब्लॉक लिया था। सुबह साढ़े 8 से साढ़े 11 बजे तक ट्रेनों का संचालन रोका गया था।

जमीन में धंसी क्रेन, लाखों का नुकसान- शुक्रवार सुबह करीब दस बजे क्रेन से गार्डर बदला जा रहा था। इसी दौरान असंतुलित होने के कारण क्रेन गार्डर सहित नदी में जा गिरी। बताया जा रहा है कि क्रेन जमीन में धंस गई थी। इस कारण असंतुलित होकर गिर गई थी। बताया जा रहा है कि क्रेन के गिरने से ओएचई वायर भी टूट गया था। मगर रेलवे अधिकारियों का कहना है कि मेंटनेंस काम के लिए उसे पहले ही हटा दिया गया था। हादसे में कोई हताहत तो नहीं हुआ, लेकिन लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

राहत दल ने संभाला मोर्चा, शाम को बहाल हुआ काम- इधर, सूचना मिलते ही उज्जैन रेलवे स्टेशन से राहत दल मौके पर भेजा गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सुबह 10 बजे हादसा होने के बाद ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ था। सिंगल लाइन से ही ट्रेनों का संचालन किया गया था। इधर फिर से सुधार कार्य शुरू किया गया था। शाम छह बजे काम पूरा हुआ है।

तराना रोड स्थित टिल्लर नदी पर बने पुल पर मेंटनेंस का काम किया जा रहा है। शुक्रवार को तीन घंटे का ब्लाक था। क्रेन असंतुलित होकर गिरी थी। मगर ओएचई वायर को पहले ही हटाया जा चुका था। सुधार कार्य के बाद काम पूरा हो गया है।

- मुकेश कुमार, पीआरओ रेलवे

महानिर्वाणी अखाड़े की महंत गादी को लेकर बड़ा निर्णय, महंत विनीत गिरि महाराज ही बने रहेंगे गादीपति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर परिसर में स्थित महानिर्वाणी अखाड़े की महंत गादी को लेकर आज एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। अब महंत गादी पर विनीत गिरि महाराज ही बने रहेंगे। यह निर्णय श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा सचिव महंत रवींद्र पुरी महाराज के नेतृत्व में अखाड़े के पंचों द्वारा लिया गया। खास बात यह है कि महंत गादी पर अभी तक विनीत गिरि महाराज बने हुए थे परंतु स्वास्थ्य कारणों के चलते उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। महंत विनीत गिरि के इस्तीफे के बाद चर्चाओं का दौर शुरू हो गया था। दरअसल विनीत गिरि महाराज ने ही अपने स्वास्थ्य कारणों के चलते पद से हटने की बात कही थी। दरअसल महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग विश्व प्रसिद्ध है। इसके साथ ही यहां होने वाली भस्म आरती आकर्षण का केंद्र बनी रहती है। भस्मारती में शामिल होने के लिए देश ही नहीं विदेशों से भी श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में परंपरा अनुसार भस्मारती के दौरान बाबा महाकाल को भस्म महानिर्वाणी अखाड़े के महंत गादीपति ही चढ़ाते हैं।

महाकालेश्वर मंदिर परिसर में स्थित महानिर्वाणी अखाड़े में आज श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा सचिव महंत रवींद्र पुरी महाराज, सचिव महंत जमना पुरी, सचिव महंत रमेश गिरि, मृत्युंजय भारती, मनोज गिरि, महंत प्रेमपुरी, दिगंबर करण गिरि व दिगंबर गोपाल गिरि ने बैठक कर महंत गादी का निर्णय लिया।

श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव महंत रवींद्र पुरी महाराज ने मीडिया से चर्चा में कहा कि विनीत गिरि महाराज को स्वास्थ्य की दिक्कत थी। इसलिए उन्होंने पंच परमेश्वर के सामने एक कार्य मुक्ति का निवेदन किया था। परंतु, बाबा महाकाल की इच्छा के बिना ना कोई कार्य मुक्त हो सकता है ना कार्य युक्त। इसलिए श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्माणी की कमेटी ने यह निर्णय लिया है कि महंत विनीत गिरि ही गादी पर बने रहेंगे और आगामी कुंभ मेला भी उन्हीं के नेतृत्व में होगा।